GOVERNMENT OF TAMIL NADU

हिंदी पाठमाला

Hindi Reader

तीसरी कक्षा

Standard Three

सत्र - I

Term - I

Department of School Education

Untouchability is inhuman and a crime

Government of Tamil Nadu

First Edition – 2026

(Published under New Syllabus
in Trimester Pattern)

Price : Rs.

A call can change your life (24 × 7 toll free helplines for children below 18 years)

If you are forced into
Child Marriage or Child Labour,
If you are Emotionally,
Physically, Sexually
Harassed or Abused,

If you feel unsafe dial CHILDLINE 1098 Night & Day

Caller details will be kept confidential

If you are feeling Threatened or
being Abused or Harassed –
Emotionally, Physically or Sexually,
If you are feeling unsafe,
If you need guidance for
Examinations or Higher Education

Dial 14417

Caller details will be kept confidential

Content Creation

State Council of Educational
Research and Training
© SCERT 2026

Printing & Publishing

Tamil Nadu Textbook and Educational
Services Corporation

Foreword

The early years of childhood are a time of wonder-when curiosity is boundless, imagination is vivid, and every experience becomes a step in the journey of learning. These textbooks for Classes 1 to 3 have been developed to honour this spirit, creating a learning experience that is joyful, meaningful, and engaging.

Developed as part of the **Tamil Nadu State Education Policy-2025**, these books mark a significant step towards strengthening foundational education in the State. The vision and direction provided by the **Hon'ble Minister for School Education** have ensured that the policy's emphasis on child-centred, competency-based, and inclusive learning is meaningfully reflected in these materials.

The leadership of the **Additional Chief Secretary,** School Education has been instrumental in ensuring the integration of 21st-century skills and knowledge, and in shaping the textbooks into engaging story-driven learning experiences.

This is further reflected in a competency-based approach to curriculum and assessment that moves beyond rote learning to foster deep conceptual understanding and meaningful application. The integration of value education to build character, along with life skills, art and motor skill development, enables the holistic development of the child.

The members of the High-Level Curriculum Expert Committee, the Chairperson and the members of the Curriculum Development Committee, have provided constant guidance, shaping and refining these materials through their insights and expertise, alongside the contributions of educators and practitioners acknowledged elsewhere in this book.

At this foundational stage, learning must build strong foundations while supporting the overall development of the child. These textbooks bring together a carefully designed set of features that make learning active, engaging, and meaningful:

- Opportunities for speaking and listening, building confidence in expression
- Activities that strengthen logical thinking and conceptual understanding
- Integrated spaces for reading and writing practice within lessons
- Fine and gross motor skill development through drawing, colouring, tracing, and movement-based tasks
- Simple avenues for independent learning and self-reflection

The books also integrate values and life skills, helping children develop empathy, cooperation, responsibility and confidence.

Learning is guided by a competency-based approach that moves beyond memorisation towards understanding and application. Assessment is embedded within the learning process, making it continuous, meaningful and supportive.

These textbooks are learning companions that invite children to explore, think and express. They represent a shared commitment to enabling every child to learn with joy, grow with confidence, and build a strong foundation for the future-advancing a vision of **"Education reimagined, inclusive, equitable, and future-ready".**

DIRECTOR

State Council of Educational
Research and Training (SCERT)
Tamil Nadu

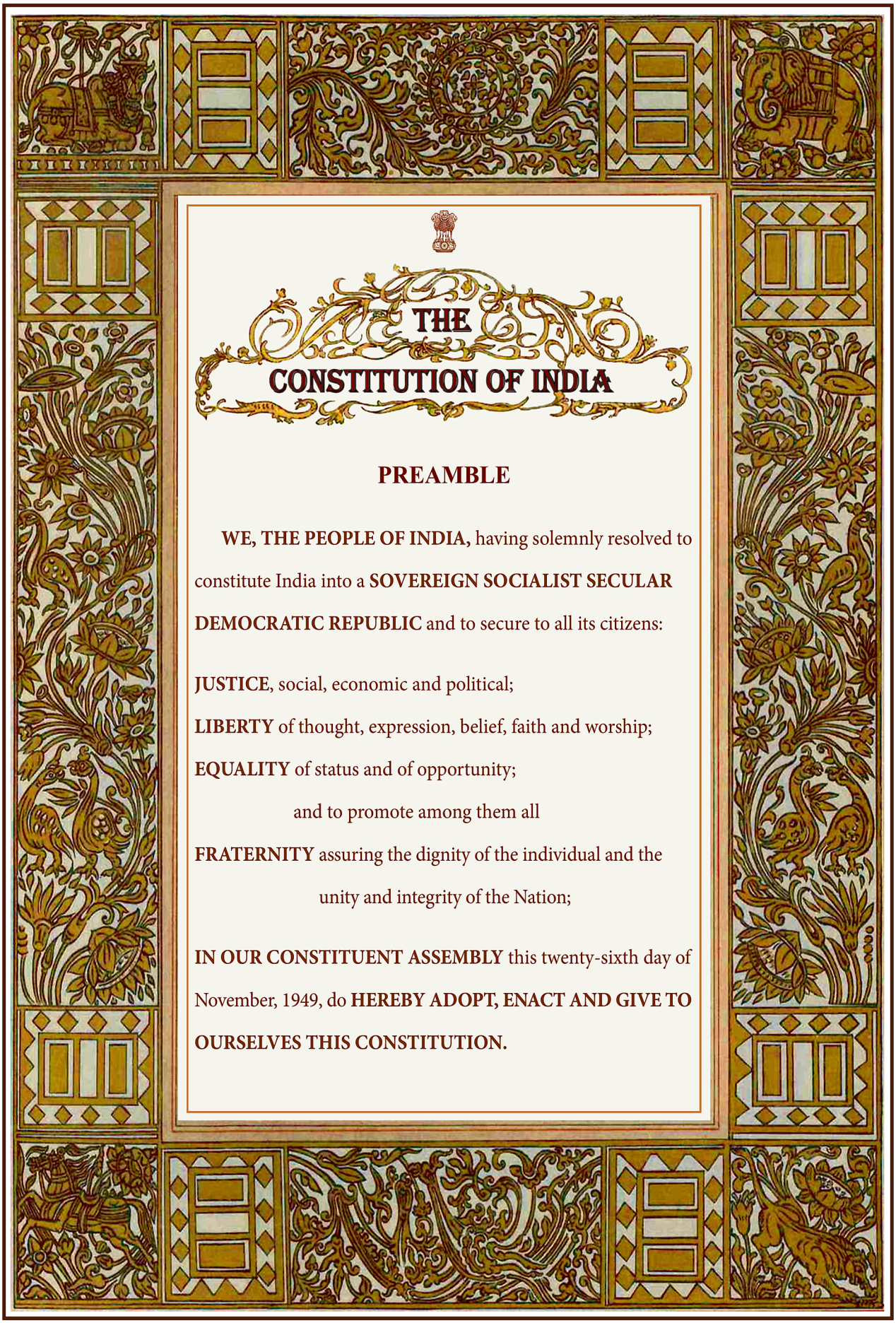

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a **SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC** and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;

and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

भूमिका

प्रिय विद्यार्थियों,

यह हिंदी पुस्तक कक्षा 3 के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। इस पुस्तक में रोचक कहानियाँ, प्रेरक प्रसंग, सुंदर कविताएँ, ज्ञानवर्धक पाठ और विविध गतिविधियाँ सम्मिलित हैं। इसका उद्देश्य बच्चों की भाषा-शैली को समृद्ध करना, शब्द-भंडार बढ़ाना तथा पढ़ने, लिखने, बोलने और समझने की क्षमता का विकास करना है। प्रत्येक पाठ को सरल, स्पष्ट और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि विद्यार्थी आनंदपूर्वक सीख सकें। अभ्यास प्रश्नों और गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सोचने, समझने और अपनी बात आत्मविश्वास से व्यक्त करने की क्षमता विकसित होगी। हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और जिज्ञासा को बढ़ाएगी।आइए, ज्ञान के इस सुंदर सफर की शुरुआत उत्साह के साथ करें।

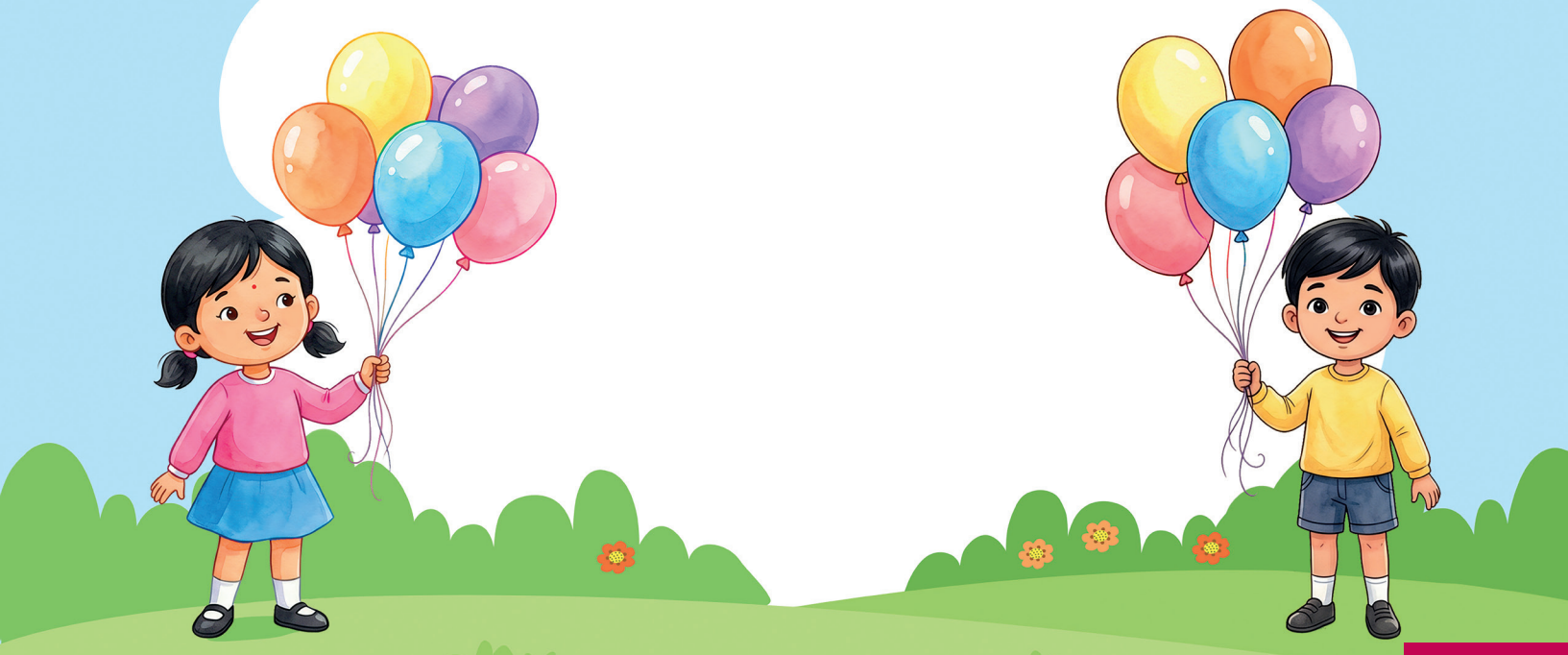

देशीयगीतम्

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा
द्राविड़, उत्कल, बंग
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे
तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय गाथा
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे!

महाकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर

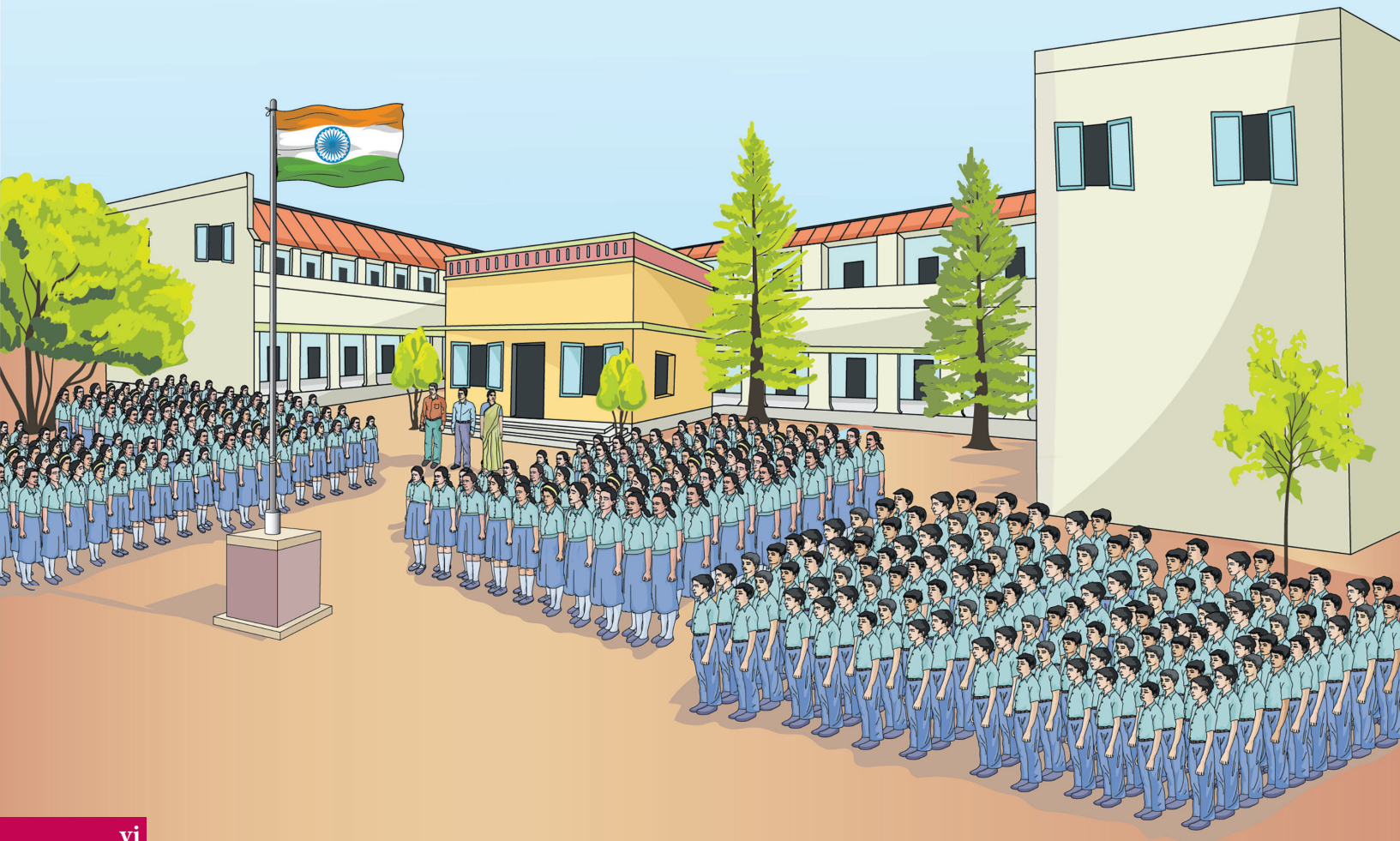

तमिल माता की वंदना
(तमिलताय वाळ्तु)

नीरारूम कडलुडुत्त निलमडन्दै केळिलोळुगुम
सीरारूम वदनमेन तिगळ भरत खंडमिदिल,
तेक्कणमुम अदिर्चिरन्द द्रविड़नल् तिरूनाडुम
तकिकचिरू पिरैनुदलुम तरितनरून् तिलकमुमे
अत्तिलक वासनैपोल अनैत्तुलगुम इन्बमुर
एत्तिशैयुम पुगळ मणक्क इरून्द पेरूंतमिलअणंगे !
तमिलअणंगे !
उन सीर इलमै तिरम वियन्दु
सेयल मरन्दु वाळ्तुदुमे !
वाळ्तुदुमे !
वाळ्तुदुमे !

'मनोनमणीयम' पे. सुंदरनार।

राष्ट्रीय प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है।
सब भारतवासी मेरे भाई-बहन है।
मैं अपने देश से प्रेम करता/करती हूँ।
इसकी समृद्ध एवं विविध संस्कृति पर मुझे गर्व है।
मैं सदा इसका सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न करता/करती रहूँगा /रहूँगी।
मैं अपने माता-पिता, शिक्षको एवं गुरुजनो का सम्मान करूँगा /करूँगी और प्रत्येक के साथ विनीत रहूँगा/रहूँगी।
मैं अपने देश और देशवासियों के प्रति सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करता/करती हूँ।
इनके कल्याण एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

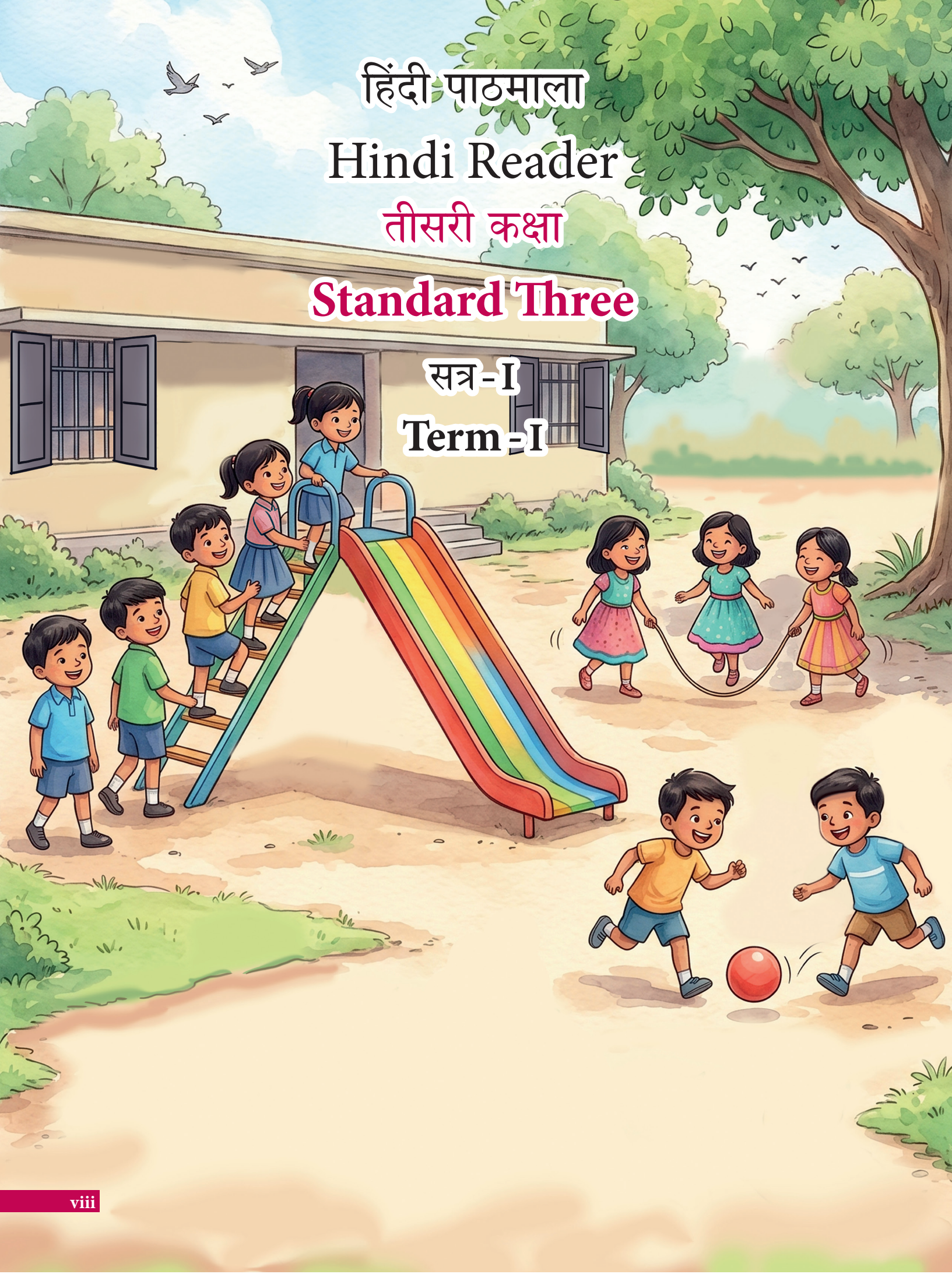

हिंदी पाठमाला

Hindi Reader

तीसरी कक्षा

Standard Three

सत्र - I

Term - I

विषय-सूची

1 चित्र देखिए और कहानी बताइए 01

2 दो वर्णों वाले शब्द 03

3 तीन वर्णों वाले शब्द 05

4 चार वर्णों वाले शब्द 08

5 संयुक्ताक्षर 12

6 कविता – पेड़ हमारे साथी हैं 19

7 ईमानदार लड़का 23

8 कविता – हमारी रेल 28

9 हर चीज़ की सही जगह 31

10 साहसी श्वेता 36

11 ईमानदार लकड़हारा (कहानी) 42

पढ़ेंगे-लिखेंगे

1 चित्र देखिए और कहानी बताइए

चित्र देखकर रंग भरिए

2 दो वर्णों वाले शब्द

ध + न

ग + ज

द + स

ख + ग

प + ढ़

ज + ल

च + ल

म + ग

न + ल

शब्द पहेली

'आ' की मात्रा वाले शब्दों को ढूंढिए

मामा, काला, तवा, नीला, राजा, पान, ताला, माता, तार,
हरा, दादा, पाला, नाना, छाता, पीला, पापा, तारा

का	ला	ह	रा	त	वा	का
मा	मा	ल	व	पा	पा	न
ला	दा	ता	न	ला	न	फा
ल	दा	रा	जा	पि	ला	श
छा	वा	ख	मा	ता	वा	जा
ता	पा	ता	च	ना	ना	व
ला	र	र	पा	नी	ला	भ

3 तीन वर्णों वाले शब्द

म + ट + र = ...

ग + र + म = ...

ब + ह + न = ...

ब + ट + न = ...

क + म + र = ...

अ + म + र = ...

फ + स + ल = ...

भ + ग + त = ...

प + व + न = ...

च + र + ण = ...

चित्र देखकर खाली स्थान में सही अक्षर लिखिए

स ● क

● ब ड़

● ल म

भ ● न

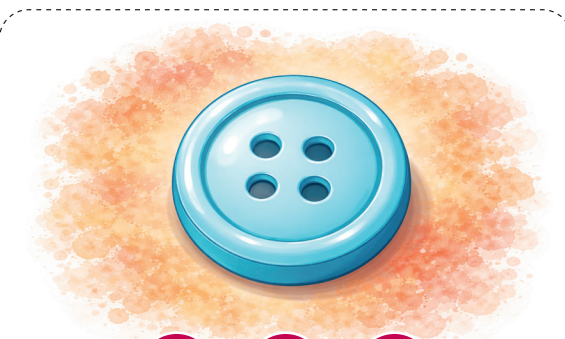

● ट न

न म ●

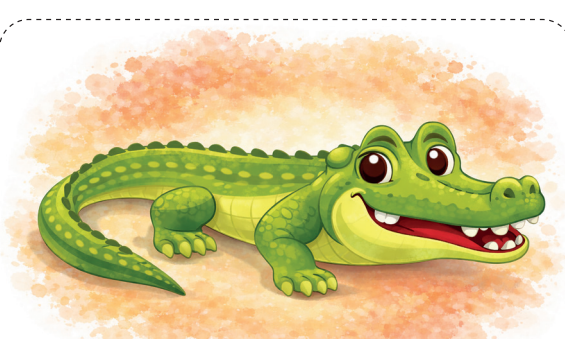

म ● र

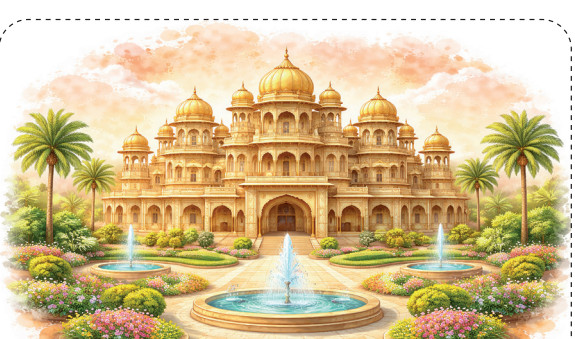

● ह ल

अक्षर जोड़कर नए शब्द बनाइए

शहर | लहर | नहर | मगर | डगर | नगर

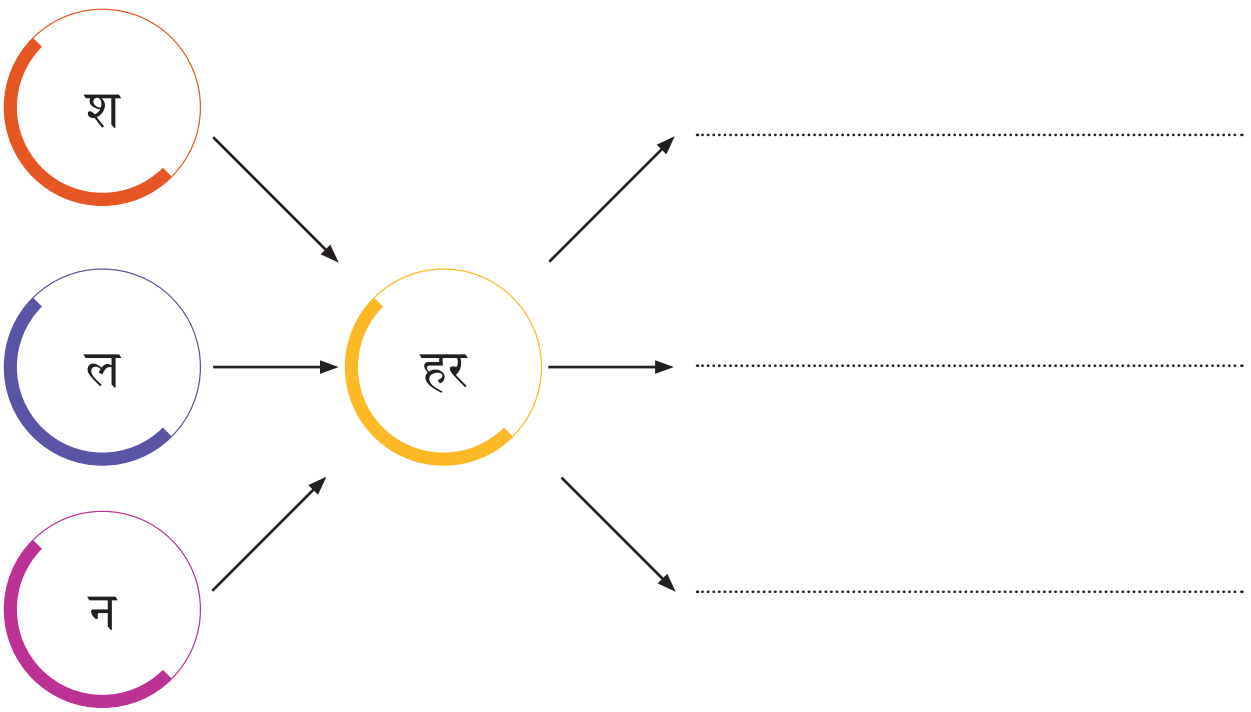

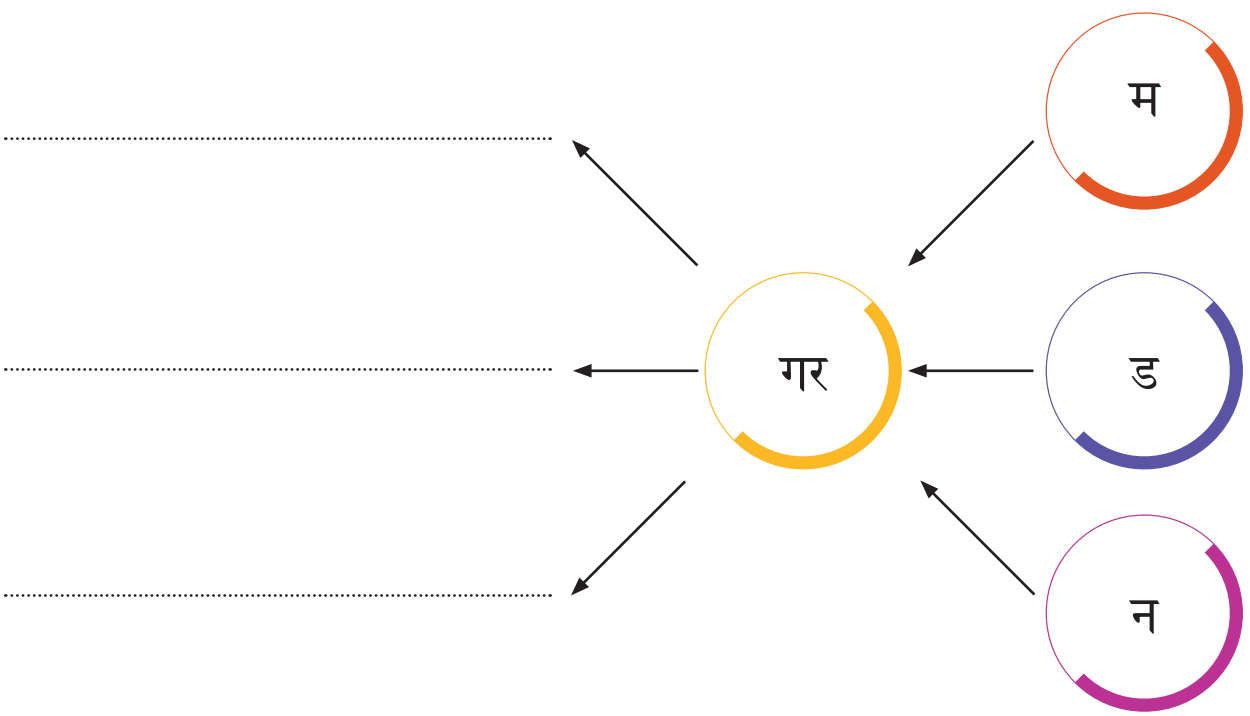

4 चार वर्णों वाले शब्द

अ + द + र + क = ...

ख + ट + म + ल = ...

श + ल + ग + म = ...

थ + र + म + स = ...

त + र + क + स = ...

उ + प + व + न = ...

ज + ल + च + र = ...

ब + र + त + न = ...

ब + र + ग + द = ...

अ + ज + ग + र = ...

चित्र देखकर शब्दों से मिलाइए

बरतन

अजगर

शलगम

थरमस

तरकस

खटमल

जलचर

उपवन

बरगद

अदरक

अक्षर जोड़कर नए शब्द बनाइए

अनबन धड़कन अचकन पनघट तलछट जमघट

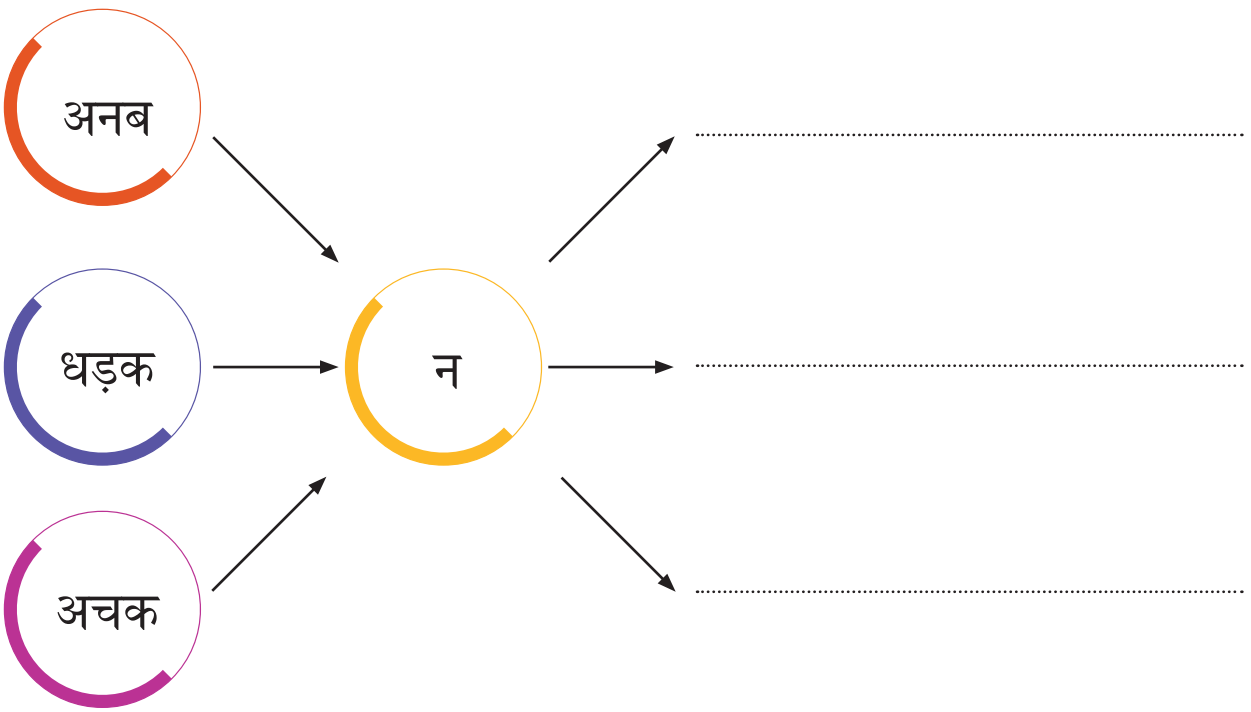

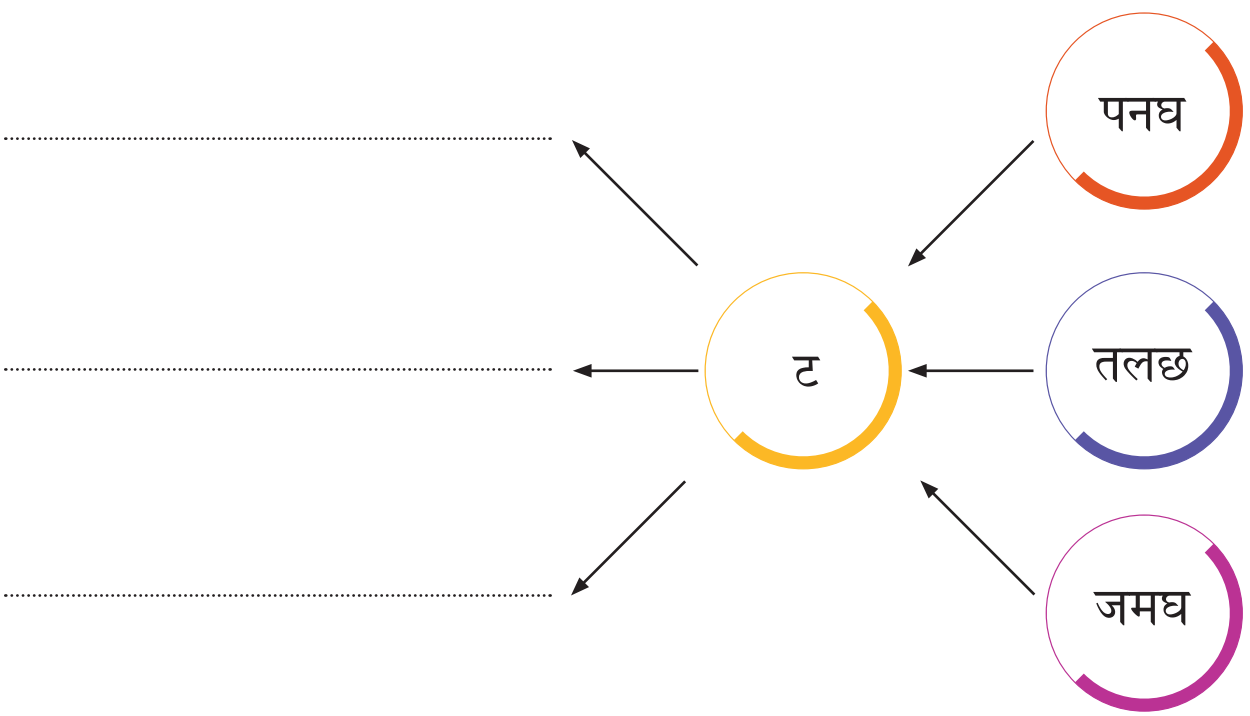

5 संयुक्ताक्षर

क् + ख = क्ख

मक्खी

च् + छ = च्छ

मच्छर

ट् + ठ = ट्ठ

चिट्ठी

ब् + ज = ब्ज

सब्ज़ी

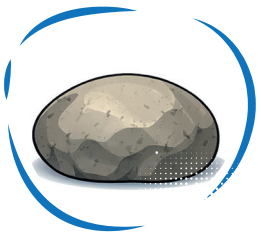

त् + थ = त्थ

पत्थर

ड् + ढ = ड्ढ

गड्ढा

प् + य = प्य

प्याला

स् + त = स्त

बिस्तर

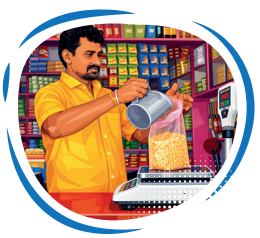

व् + य = व्य

व्यापारी

स् + ता = स्ता

बस्ता

ष् + प = ष्प

पुष्प

ग् + व = ग्व

ग्वाला

क + ष = क्ष

कक्षा

शिक्षक

क्षत्रिय

त + र = त्र

छात्र

मित्र

सत्रह

ज + ञ = ज्ञ

ज्ञाता

ज्ञान

विशेषज्ञ

श + र = श्र

श्रमिक

आश्रम

अश्रु

नीचे दिए गए शब्दों में से संयुक्त अक्षर पर गोला लगाइए

तीन अक्षर वाले शब्द पर गोला लगाइए।

1	फल	जल	नगर
2	घर	टब	पलक
3	खत	अब	पवन
4	बतख	धन	बल
5	नमक	बस	रख

चित्र देखकर अक्षर के साथ मिलान कीजिए।

क्ष

त्र

ज्ञ

श्र

क + क = क्क

मक्का

इक्का

ढक्कन

च + च = च्च

कच्चा

बच्चा

पच्चीस

ट + ट = ट्ट

मिट्टी

खट्टी

लट्टू

ड + ड = ड्ड

गड्डी

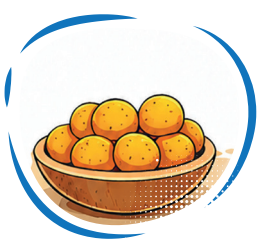

लड्डू

कबड्डी

त + त = त्त

छत्ता

पत्ता

कुत्ता

न + न = न्न

प्रसन्न

गन्ना

अन्न

च + च = च्च

छप्पर

चप्पल

ठप्पा

ब + ब = ब्ब

गुब्बारा

मुरब्बा

डिब्बा

निम्न वर्णों को संयुक्त अक्षर से जोड़कर सार्थक शब्द बनाइए और उचित चित्र के नीचे लिखिए

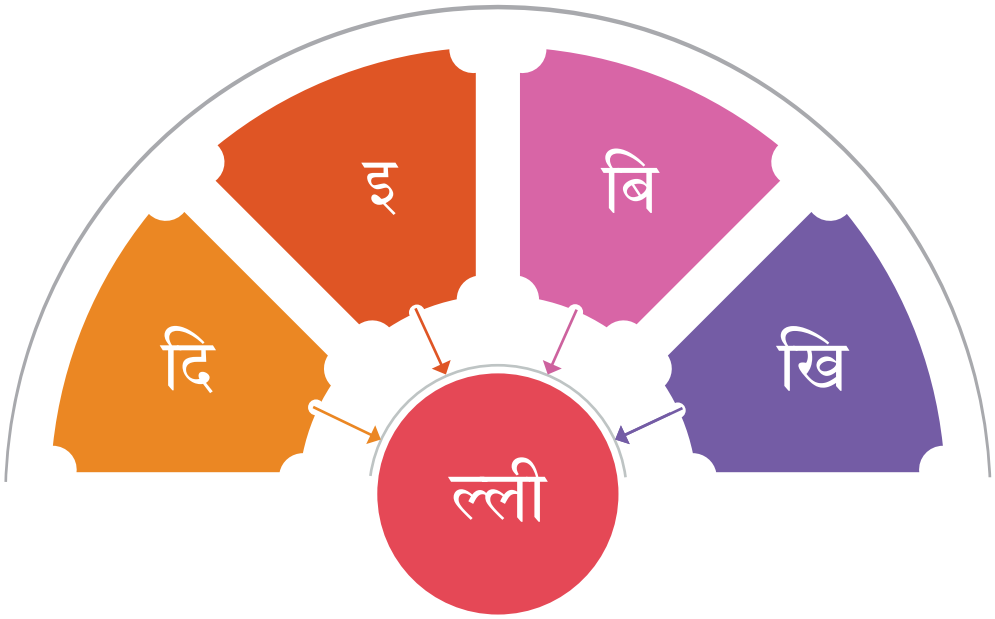

.....

.....

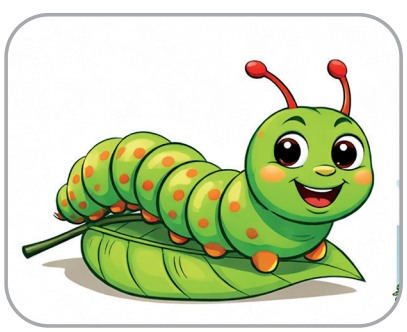

.....

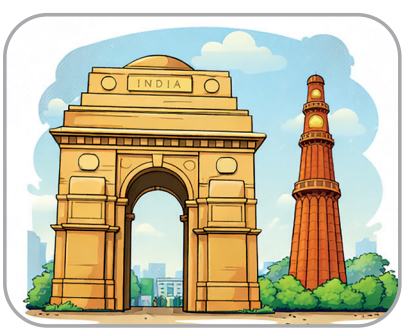

.....

6 कविता - पेड़ हमारे साथी हैं

पेड़ हमारे साथी हैं । पेड़ हमें छाया, मीठे फल देकर हमारी मदद करते हैं, इसलिए हमें इन्हें बचाना चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए ।

पेड़ हमारे साथी हैं
छाया हमको देते है ।
बाढ़ से हमें बचाते हैं
मीठे फल भी देते हैं ।।

पेड़ कितने जरूरी है
फिर भी बेचारे कटते हैं ।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा-भरा बनाएंगे ।।

शब्दार्थ

1. साथी- मित्र

2. पेड़- वृक्ष

3. मीठा- मधुर

4. आवश्यक- जरूरी

5. संसार- दुनिया

खाली जगह भरिए

1. पेड़ हमारे _____ हैं । (साथी, शत्रु)

2. पेड़ _____ देते हैं । (वर्षा, छाया)

3. पेड़ हमें _____ फल देते हैं । (मीठे, कड़वे)

4. पेड़ से _____ हरा भरा बन जाएगा ।(संसार, घर)

5. लोग आजकल _____ को काट रहे हैं । (पेड़, सड़क)

प्रश्नोत्तर

1. पेड़ किसके साथी हैं?

2. बाढ़ से हमें कौन बचाते हैं?

3. पेड़ से हमें क्या मिलता है?

4. लोग आजकल पेड़ों को लगा रहे हैं या काट रहे हैं?

5. पेड़ से संसार कैसा बनेगा?

वर्ग पहेली

फूलों के नाम छाँटकर लिखिए

पा	रि	जा	त	ल
मे	गु	फ	म	च
कि	ला	सु	सा	मे
श	ब	दा	लि	ली
ज्ञ	गें	कु	सु	म

1. .....

2. .....

3. .....

4. .....

5. .....

6. .....

गतिविधि

चित्र देखकर रंग भरिए

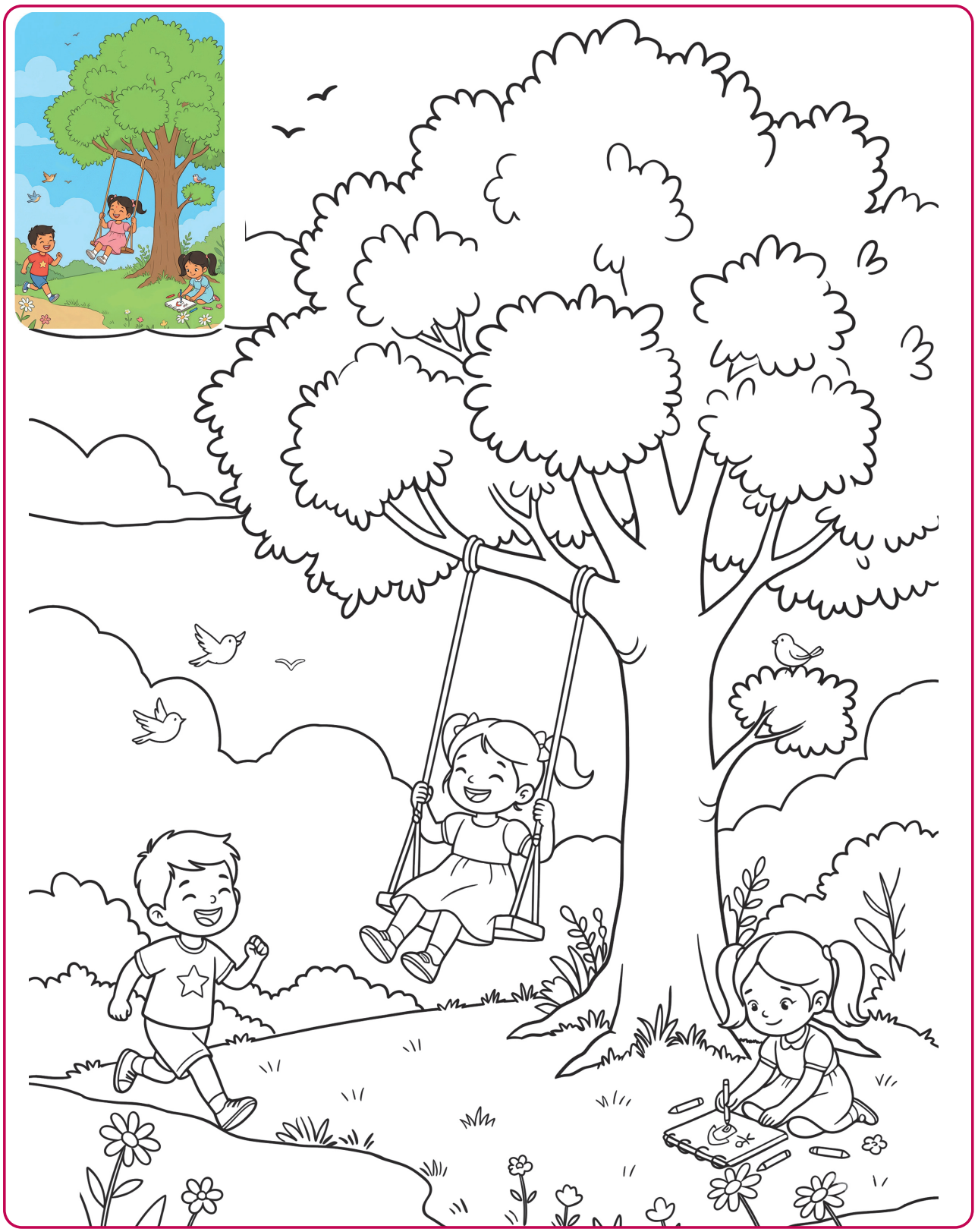

7 ईमानदार लड़का

ईमानदार लड़का एक प्रेरणादायक कहानी है, जिसमें एक सच्चे और नेक लड़के की ईमानदारी दिखाई गई है ।

गोपाल एक गरीब लड़का था । घर में वह और उसकी माँ रहती थी । गोपाल लकड़ी बेचकर दोनों का पेट भरता था ।

जंगल से लकड़ी चुनकर वह शहर में बेचता और जो पैसे मिलते, उनसे दोनों रूखा-सूखा खाकर अपना पेट भर लेते थे। एक धनी आदमी ने उनकी हालत देखकर गोपाल से लकड़ी लेने का फैसला किया।

गोपाल रोज उस धनी आदमी को लकड़ी देने लगा। एक दिन गोपाल को जंगल में कम लकड़ियाँ मिली। जब वह धनी आदमी के पास लकड़ियाँ लेकर गया तब उसने गोपाल को उतने ही पैसे दिये, जितने रोज देता था।

गोपाल ने कहा –"बाबूजी आज लकड़ियाँ कम हैं इसलिए आज मुझे कम पैसे दीजिए ।"

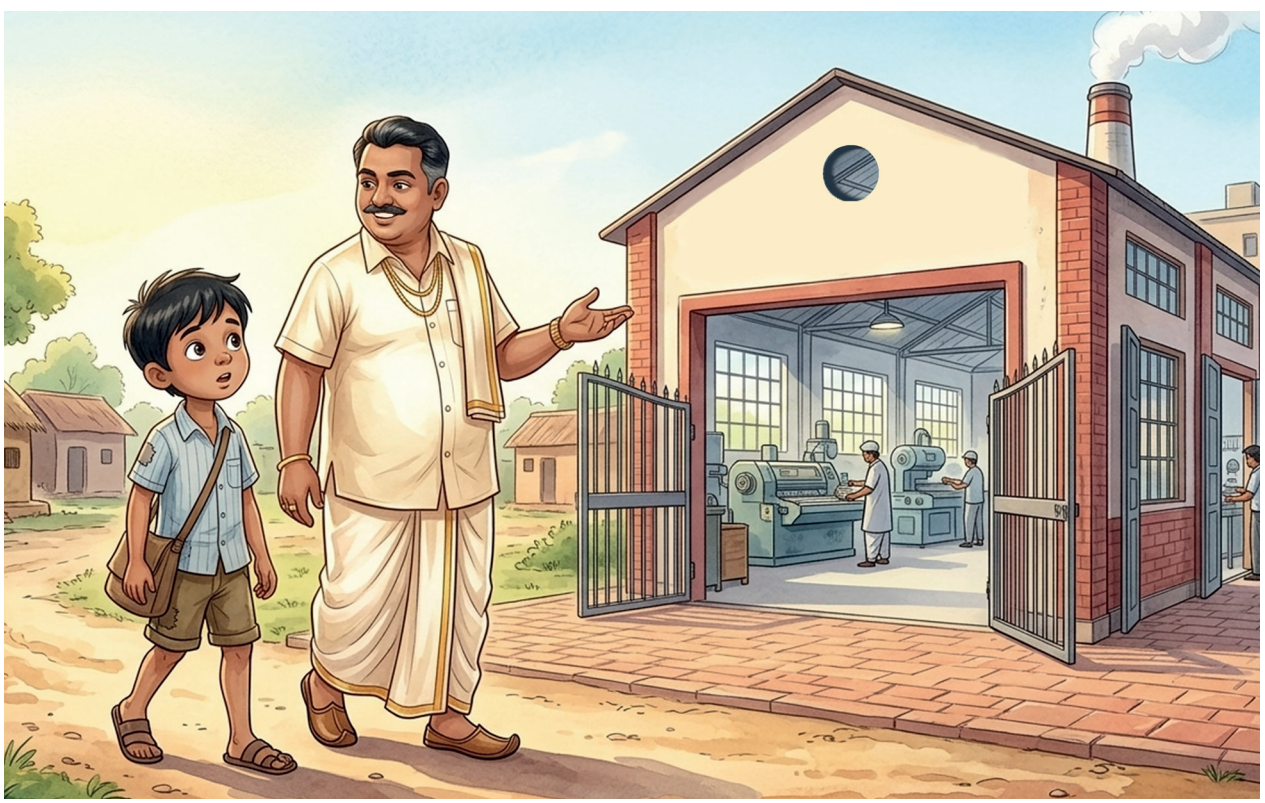

धनी आदमी गोपाल की ईमानदारी पर बड़ा खुश हुआ । उसने गोपाल को अपनी फैक्ट्री में नौकरी पर रख लिया ।

सीख:- ईमानदारी का फल सदा अच्छा होता है ।

खाली जगह भरिए

1. घर में गोपाल के साथ _____रहती थी ।

2. गोपाल लकड़ी _____में बेचता था ।

3. गोपाल_____आदमी को लकड़ी देने लगा ।

4. धनी आदमी गोपाल की____से खुश हुआ ।

5. ईमानदारी का फल____होता है ।

प्रश्नोत्तर

1. गोपाल कैसा लड़का है?

2. गोपाल क्या बेचता था?

3. गोपाल लकड़ी कहाँ से लाता था?

4. गोपाल लकड़ी कहाँ बेचता था?

5. वह लकड़ी लेकर कहाँ गया?

योग्यता विस्तार

शिक्षक बच्चों से कहानी के पात्रों के नाम पूछेंगे।
बच्चे कहानी की घटनाएँ क्रम से बताएँगे।

पहेलियाँ

1. एक लाठी की सुनो कहानी, इसमें छिपा है मीठा पानी।_____
2. गर्मी भगाना इसका काम, झट बतलाओ क्या है नाम?_____
3. ऊपर पटको, नीचे आए, नीचे से ऊपर जाए। जितना चाहो खेल खिलाए। _____
4. लाल डिबिया में हैं दाने, जो खाए वही जाने।_____
5. पंख नहीं हैं फिर भी उड़ती हूँ, हवा के संग ऊँची चढ़ती हूँ।_____

(पतंग, गेंद, अनार, गन्ना, पंखा)

गतिविधि

चित्र देखकर रंग भरिए

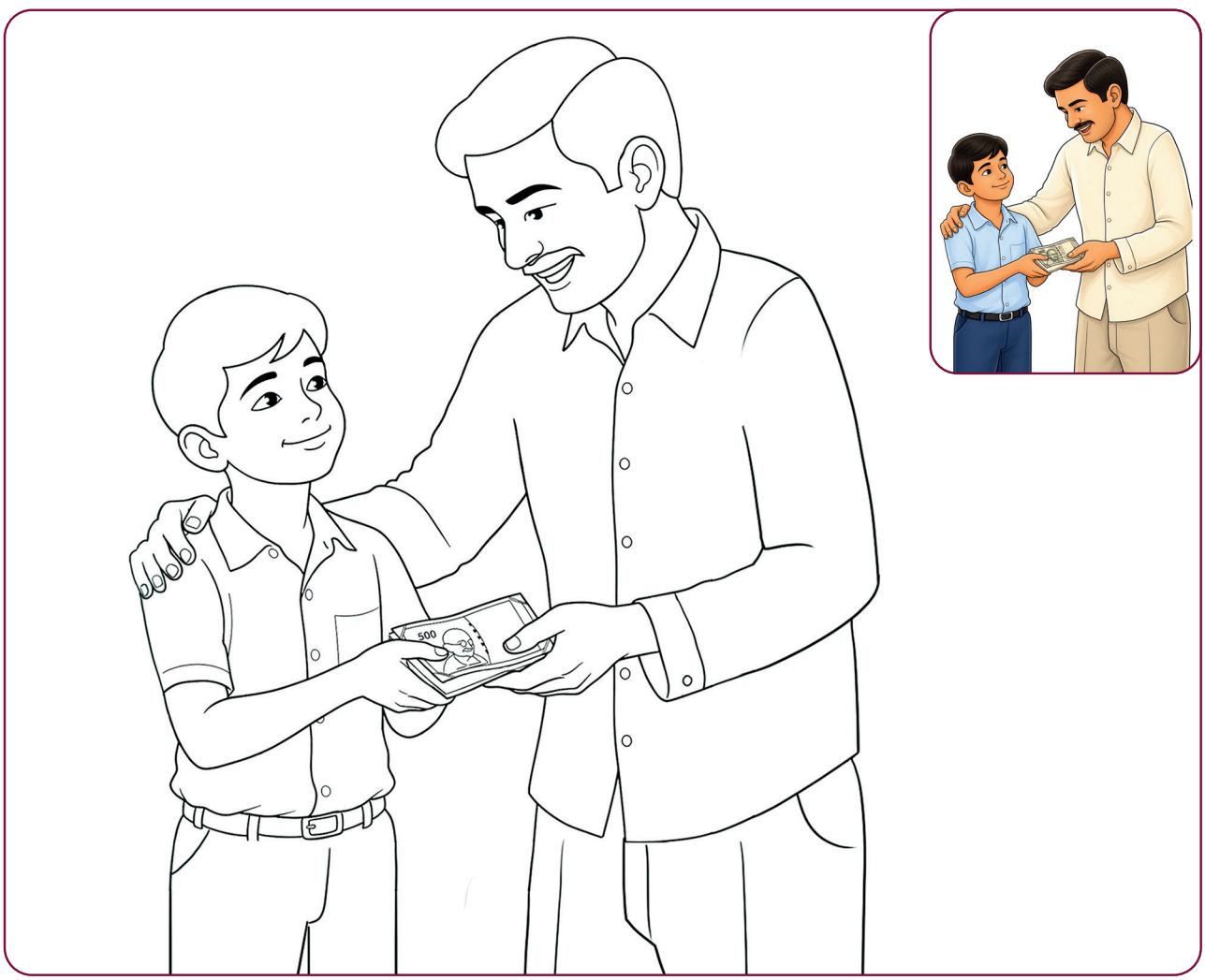

8 कविता - हमारी रेल

हमारी रेल एक रोचक कविता है जिसमें रेल की छुक-छुक आवाज़ और तेज़ रफ्तार का सुंदर वर्णन है । बच्चे रेल का खेल खेलते हैं और रेल-यात्रा के आनंद का भी अनुभव करते हैं ।

आओ बच्चों, प्यारे बच्चों
मिलकर खेलें हम एक खेल ।
आगे-पीछे जुड़कर बच्चों,
चलो बना ले लम्बी रेल ।।

जो तोडेगा खेल की रेल,
उसको जाना होगा जेल ।
अगर प्यार से खेलें हम सब,
बढ़ता है बच्चों में मेल ।।

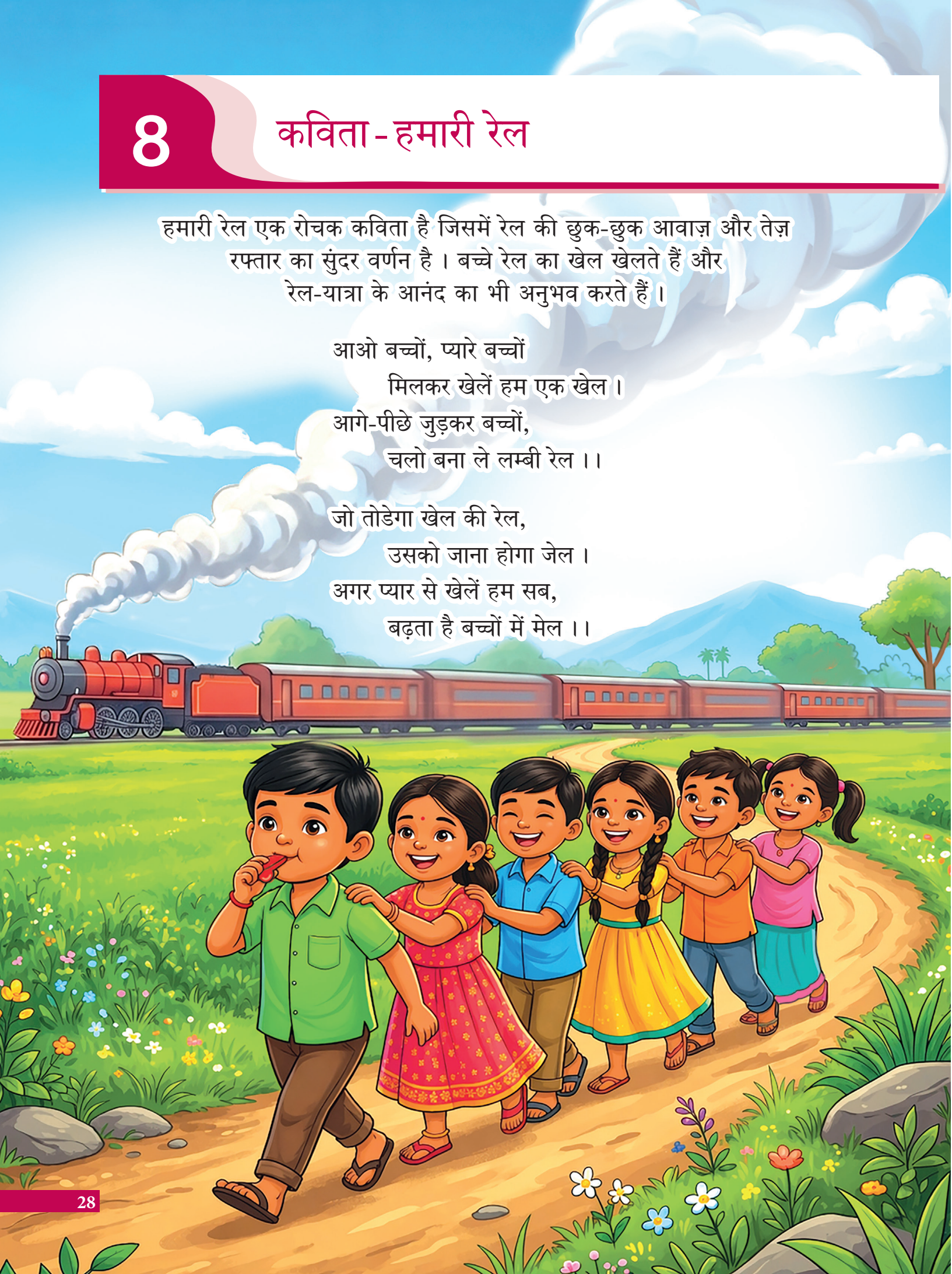

शब्दार्थ

1. प्रिय- प्यारा
2. प्रेम- प्यार
3. कारावास- जेल
4. मिलकर- एकजुट होकर

खाली जगह भरिए

1. बच्चे मिलकर _____हैं ।
2. खेलते-खेलते लंबी _____ बनाए ।
3. खेल की रेल को तोड़ने वाला _____ जाएगा ।
4. हमें _____ से खेलना चाहिए ।
5. बच्चों में _____से प्यार बढ़ता है

प्रश्नोत्तर

1. बच्चे मिलकर कौन सा खेल खेल रहे हैं?
2. जेल कौन जाएगा?
3. हमें कोई भी खेल कैसे खेलना चाहिए?
4. साथ खेलने से क्या बढ़ता है?

योग्यता विस्तार

माचिस की डिब्बियों का प्रयोग करके रेल बनाइए

चित्र देखकर रंग भरिए

9 हर चीज़ की सही जगह

हर चीज़ की सही जगह एक शिक्षाप्रद कहानी है। यह कहानी हमें सिखाती है कि हर वस्तु को सही जगह पर रखना चाहिए इससे काम भी आसानी से होता है और समय भी बचता है।

बेचारी नीति परेशान थी। स्कूल जाने का समय हो गया था। पर उसे अपने जूते नहीं मिल रहे थे। उसे परेशान देख, मम्मी रसोई का काम छोड़, दौड़ी-दौड़ी आई। बोली, "नीति कल तुमने स्कूल से आकर जूते कहाँ उतारे थे?" पर नीति को कुछ याद नहीं आ रहा था।

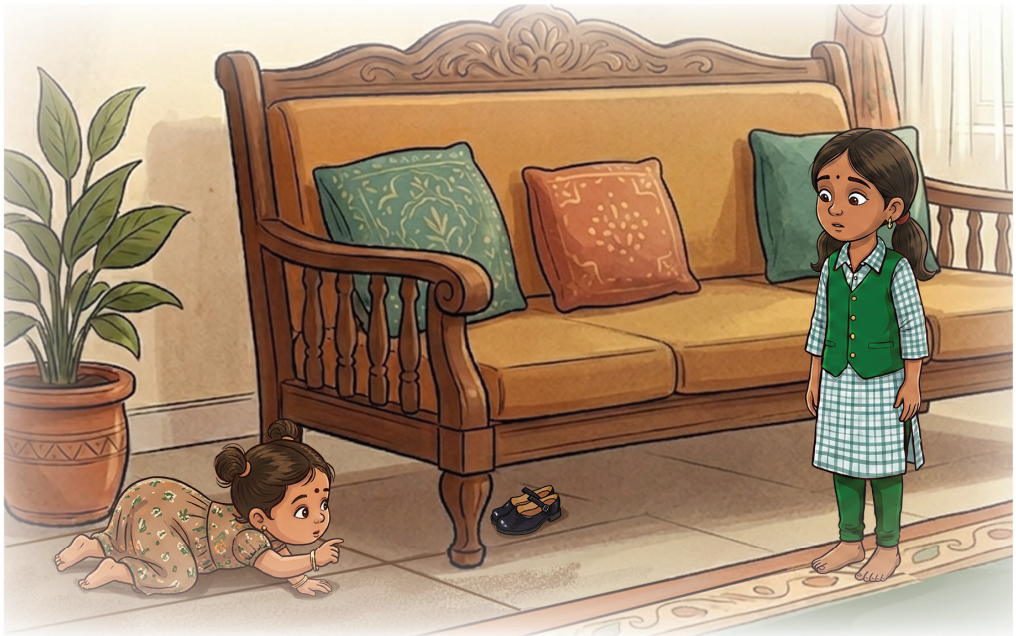

बहुत ढूँढने के बाद आखिर मिंकी को नीति के जूते नज़र आए।
वे सोफ़े के नीचे एक कोने में पड़े थे।

नीति ने जूते देखे तो खुशी से उछल पड़ी। बोली हाँ-हाँ, कल स्कूल से आकर मैं यहीं बैठकर ड्राइंग का काम कर रही थी। तब जूते उतारे थे। मम्मी ने कहा-"नीति, अगर तुम्हें यह बात पहले याद आ जाती, तो तुम क्यों इतनी परेशान होती और हमें परेशान करती?" पापा बोले-"पर इससे भी बड़ी बात यह है कि स्कूल से आकर जूते रखने की एक जगह बना लो। बस, वे फिर कभी खोएँगे ही नहीं।" नीति सोचती है कि हाँ, मैं ऐसा ही करूँगी पर वह भूल जाती है। पर आज... जूते न मिलते तो क्या हाल होता? आज तो उसका हिंदी का पेपर था और आज ही यह मुसीबत आई। उफ़, बिना बात के कितना मूड़ खराब हुआ। नीति स्कूल जाते-जाते सोच रही थी।

स्कूल से घर आकर नीति ने अपने जूते ठीक उसी जगह पर उतारे, जहाँ मम्मी ने कहा था। जूते उतारने के बाद उसने मोजे भी सही जगह पर रखे। यही नहीं, बल्कि अपना बस्ता भी अलमारी में सही जगह पर रखा। कपड़े उतारने के बाद समेट कर रखे।

मम्मी आश्चर्य से देख रही थीं- अरे वाह, नीति तो आज बदली हुई है ।

नीति ने मम्मी को मुस्कराते हुए देखा तो बोली-मम्मी आज से मैं अपनी सारी चीजें ठीक जगह पर रखूँगी ।

सुनकर मम्मी ने उसे प्यार किया । बोली- हाँ, नीति, अब तुम एक अच्छी लड़की बन गई हो । देखना, अब कभी तुम्हें परेशान नहीं होना पड़ेगा ।

सीख :- हर चीज को सदैव उसी स्थान पर रखने से हमें किसी भी चीज़ को ढूँढने में बेकार समय और शक्ति नहीं गँवानी पड़ेगी ।

शब्दार्थ

1. सही – ठीक
2. कोना – किनारा
3. भूल – गलती
4. मुस्कुराना – हँसना
5. जुराबें – मोजे

सही या गलत

1. नीति को गुड़िया नहीं मिल रही थी।
2. नीति की स्मरण शक्ति तेज़ थी ।
3. नीति का मूड़ खराब था ।
4. नीति को अपनी गलती का एहसास हुआ ।

प्रश्नोत्तर

1. नीति की कौन सी वस्तु खो गई थी?
2. नीति को परेशान देख कौन दौड़ी आई माँ या दीदी?
3. नीति के जूते कहाँ पड़े थे?
4. नीति की दीदी का नाम क्या था?
5. नीति का कौन सा पेपर था?

योग्यता विस्तार

शिक्षक कक्षा में कुछ चीज़ें रखें जैसे किताब, पेंसिल, रबर, टिफिन, बोतल ।
बच्चों को बारी बारी से बुलाकर चीजों को जगह पर रखने को कहें ।

10 साहसी श्वेता

साहसी श्वेता एक प्रेरणादायक कहानी है जिसमें श्वेता नाम की बहादुर लड़की का साहस दिखाया गया है ।

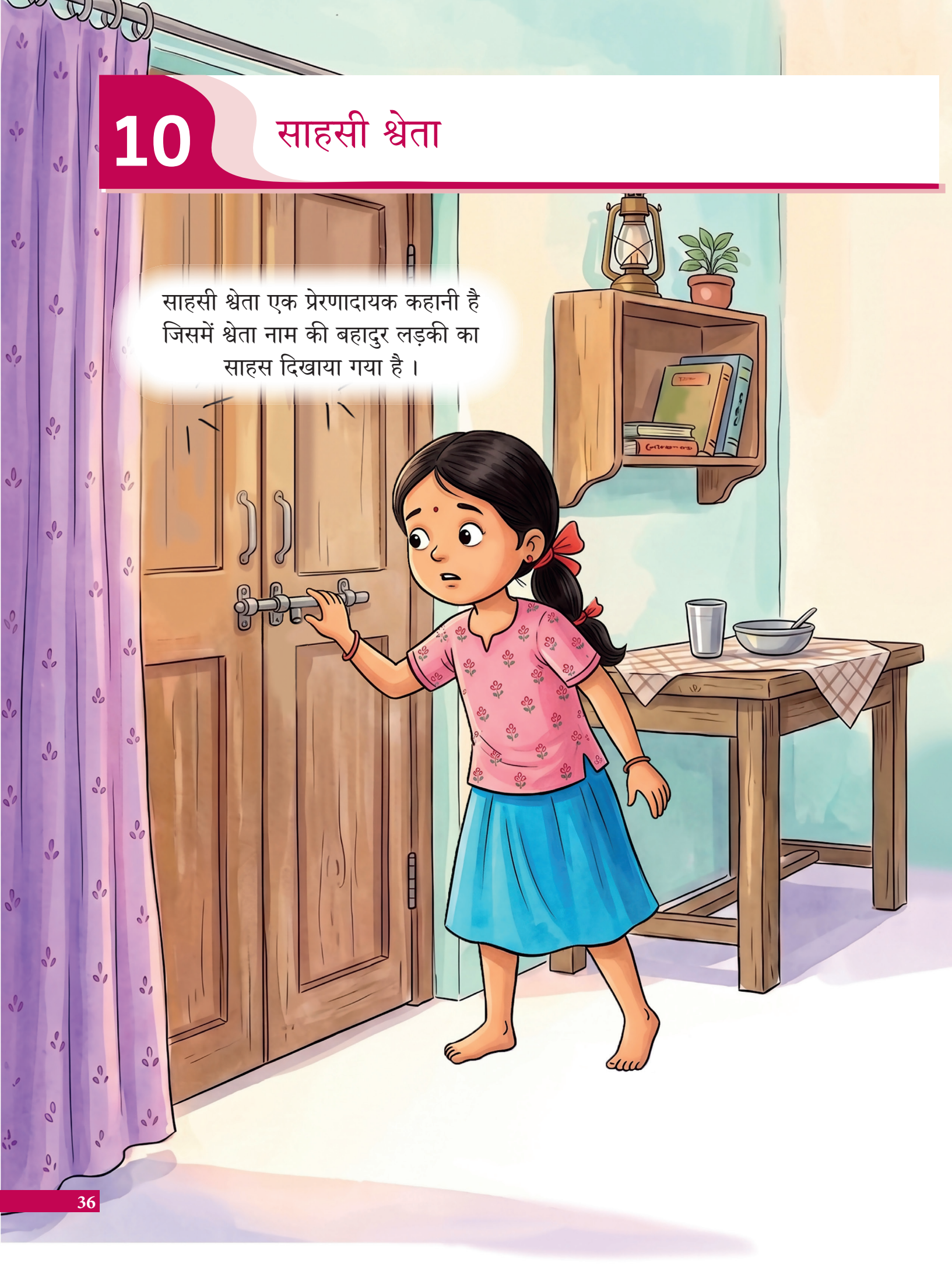

एक गाँव में श्वेता के पिता की दुकान थी । वे शहर से माल लाकर गाँव में बेचते थे ।आज वे माल खरीदने शहर गए हुए थे । शाम हो गई पर पिताजी अभी तक नहीं लौटे । श्वेता ने खाना बनाया फिर बिस्तर पर लेटी और पिताजी के आने का इंतजार करने लगी । लेटे-लेटे उसे झपकी आ गई । तभी खट-खट की आवाज़ हुई । श्वेता ने दौड़कर दरवाज़ा खोल दिया ।

दरवाज़ा खुलते ही दो आदमी उसे धकेलते हुए दरवाज़े के भीतर घुस आए । दोनों के हाथों में बंदूके थी । श्वेता ड़र के मारे एक ओर हट गई । तभी उनमें से एक ने दरवाज़ा बंद कर दिया । दूसरे ने श्वेता के मुँह पर हाथ रख दिया और बोला – ''शोर न मचाना नहीं तो गोली मार दूँगा । बोल कौन-कौन है भीतर?''

''कोई नहीं ।'' श्वेता ने डरते-डरते कहा । एक डाकू के पैर में गोली लगी थी। वह बेहोश होने को था । उसका साथी बोला, '' जा पानी ला।''

श्वेता घड़े के पास गई। डरते-डरते बोली, ''घड़े में पानी नहीं है। आँगन में कुआं है, उससे ले आऊँ?''

''जा, जल्दी ला'' डाकू बोला और अपने साथी को संभालने लगा। श्वेता दरवाज़े के बाहर निकली और धीरे से दरवाज़ा बाहर से बंद कर दिया। अब वह चिल्लाने लगी-'' डाकू, डाकू, बचाओ, बचाओ।''

शोर सुनकर गाँव वाले भागते हुए आए । गाँववालों ने पुलिस को बुलाया और दोनों डाकू पकड़े गए ।

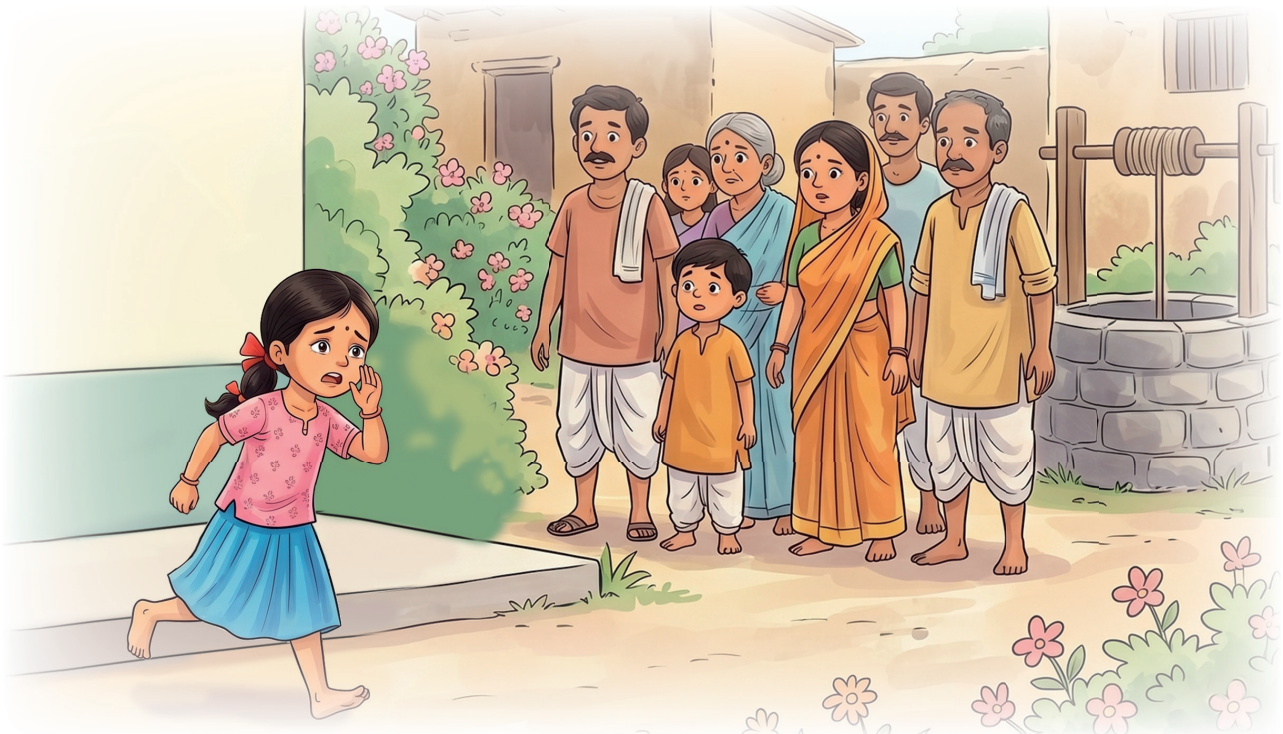

सब श्वेता की प्रशंसा करने लगे । श्वेता को उसकी सूझ बूझ और साहस के लिए पुरस्कार भी दिया गया । छब्बीस जनवरी को हाथी पर बैठकर उसने परेड में हिस्सा लिया ।

सीख :- संकट के समय घबराने के बजाय समझदारी और साहस से काम लेना चाहिए।

शब्दार्थ

1. ग्राम - गाँव
2. प्रतीक्षा-इंतजार
3. ध्वनि-आवाज
4. डर-भय
5. तारीफ़-प्रशंसा
6. साहस-हिम्मत
7. पुरस्कार-इनाम
8. माल-सामान

विलोम शब्द

1. गाँव × शहर
2. साहसी × डरपोक
3. डर × निडर
4. एक × अनेक
5. भीतर × बाहर
6. पास × दूर

खाली जगह भरिए

1. श्वेता के पिताजी ___गए थे ।
2. दोनों डाकुओं के हाथ में _____था ।
3. श्वेता ने ___ पर बैठकर छब्बीस जनवरी की परेड़ में हिस्सा लिया ।
4. श्वेता ___ के पास गई ।
5. शोर सुनकर _____भागे आए ।

प्रश्नोत्तर

1. श्वेता के घर डाकू क्यों आए?
2. डाकू ने पानी क्यों माँगा?
3. क्या घड़े में सचमुच पानी नहीं था?
4. दरवाज़े से बाहर निकलकर श्वेता ने क्या किया?
5. डाकू कैसे पकड़े गए?

योग्यता विस्तार

भूमिका अभिनय

बच्चे इस कहानी का अभिनय करके दिखाये

गतिविधि

श्वेता को दरवाज़े तक पहुँचाए

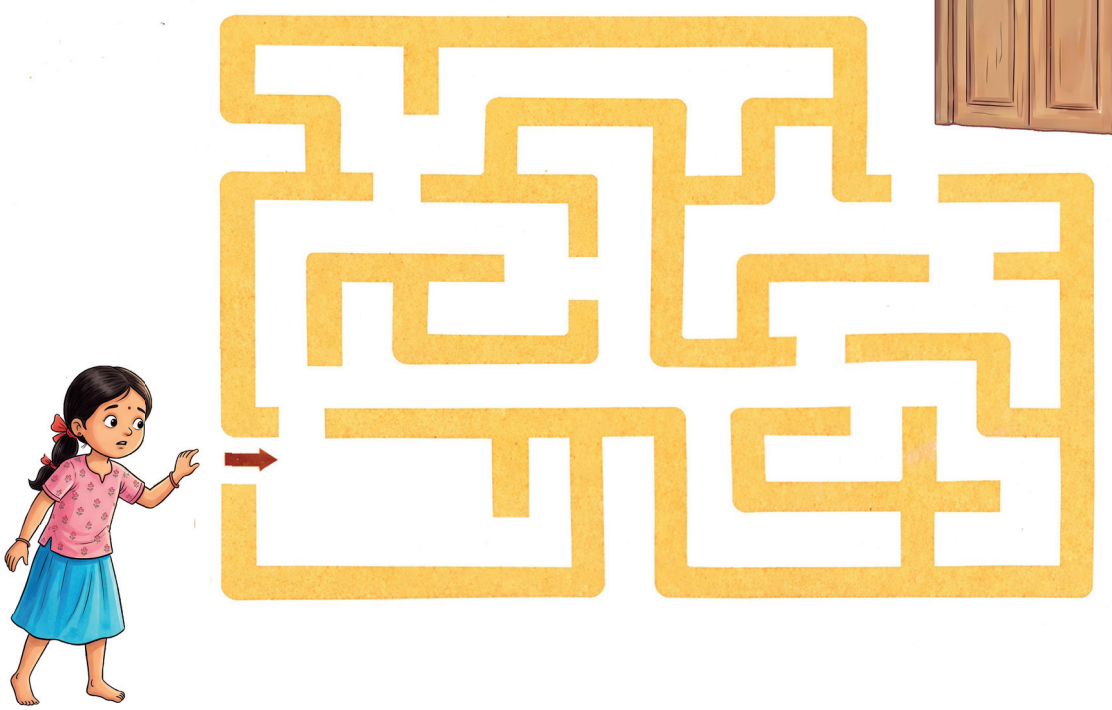

11 ईमानदार लकड़हारा

एक लकड़हारा था। एक बार वह नदी के किनारे एक पेड़ से लकड़ी काट रहा था।

एकाएक उसके हाथ से कुल्हाड़ी छूटकर नदी मे गिर पड़ी। नदी गहरी थी। उसका प्रवाह भी तेज था। लकड़हारे ने नदी से कुल्हाड़ी निकालने की बहुत कोशिश की पर वह उसे नहीं मिली।

इससे लकड़हारा बहुत दुःखी हो गया। इतने में देवदूत वहाँ से गुजरा लकड़हारे को मुँह लटकाए खड़ा देख कर उसे दया आ गई।

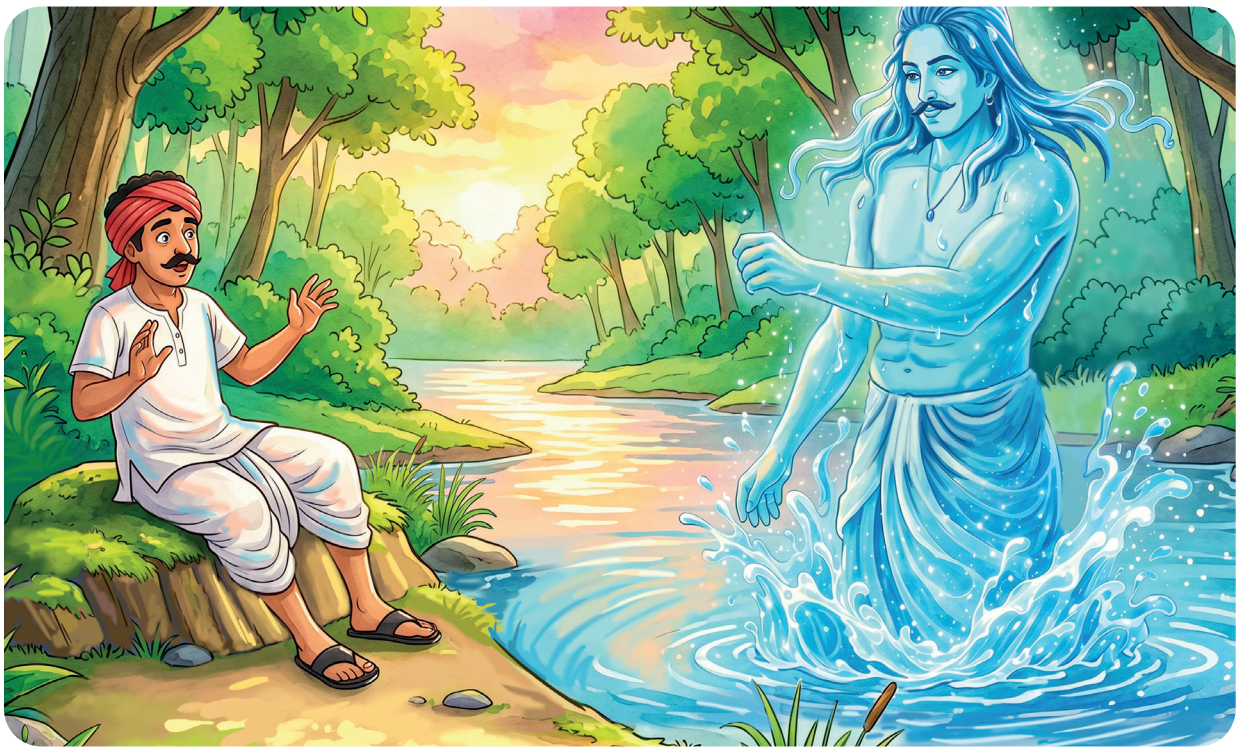

वह लकड़हारे के पास आया और बोला चिंता मत करो। मैं नदी से तुम्हारी कुल्हाड़ी अभी निकाल देता हूँ।

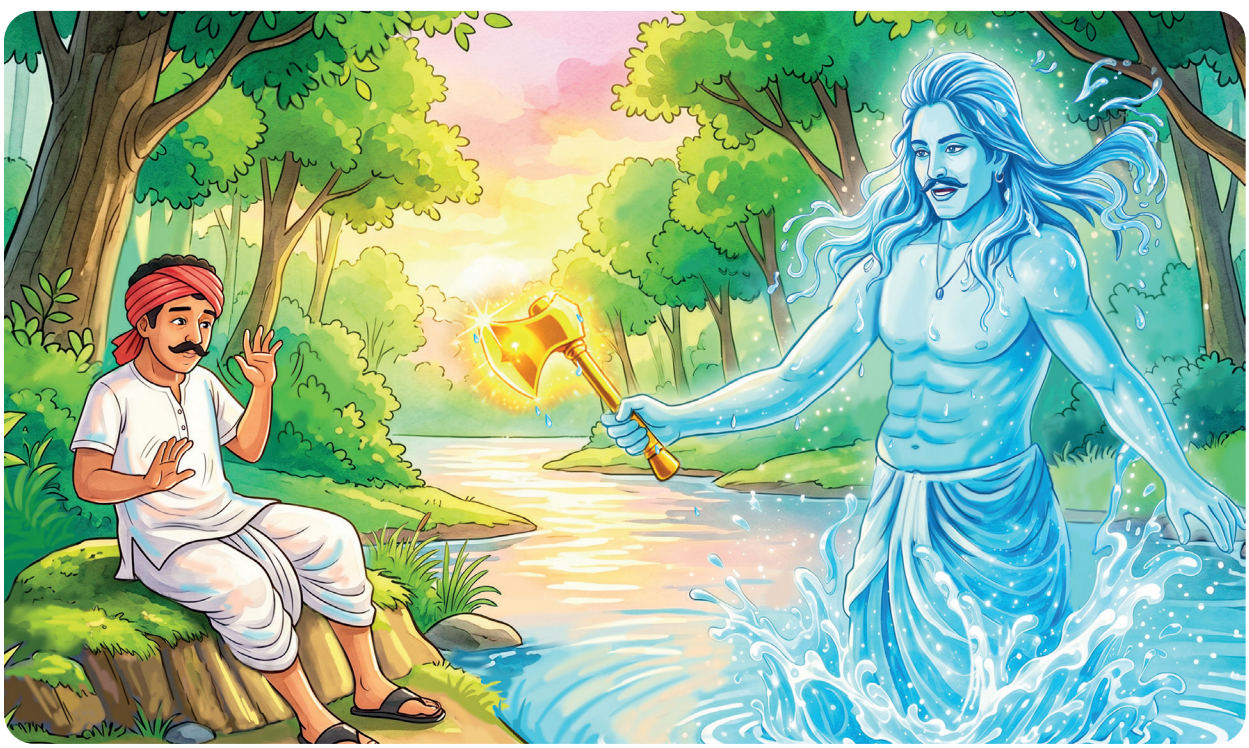

यह कहकर देवदूत नदी में कूद पड़ा देवदूत पानी से निकला तो उसके हाथ में सोने की कुल्हाड़ी थी। वह लकड़हारे को सोने की कुल्हाड़ी देने लगा। तो लकड़हारे ने कहा, "नहीं-नहीं यह कुल्हाड़ी मेरी नहीं है। मैं इसे नहीं ले सकता।"

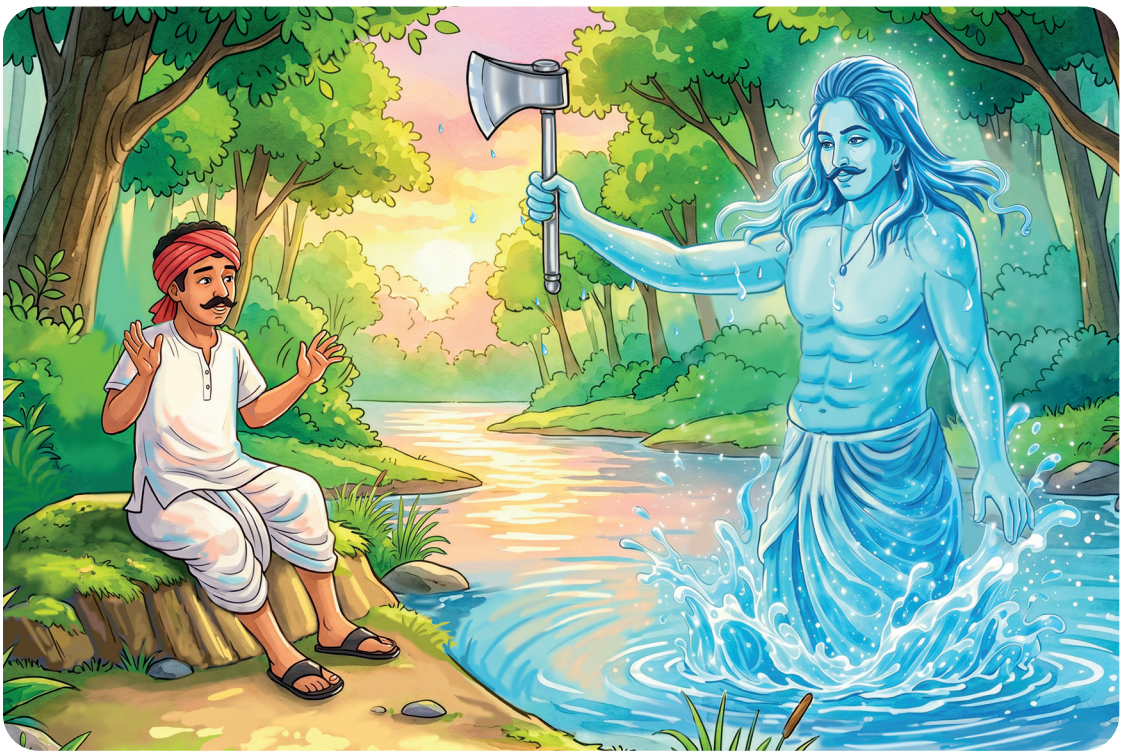

देवदूत ने फिर नदी में डुबकी लगाई इस बार वह चाँदी की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आया ईमानदार लकड़हारे ने कहा, "यह कुल्हाड़ी भी मेरी नहीं है।"

देवदूत ने तीसरी बार पानी में डुबकी लगाई इस बार वह एक साधारण सी लोहे की कुल्हाड़ी लेकर बाहर आया। लकड़हारे ने खुश होकर कहा। "हाँ यह मेरी कुल्हाड़ी है!"

उस गरीब की ईमानदारी देखकर देवदूत बहुत प्रसन्न हुआ। उसने लकड़हारे को उसकी लोहे की कुल्हाड़ी दे दी। साथ ही उसने सोने और चाँदी की कुल्हाडियाँ भी उसे पुरस्कार के रूप मे दे दीं।

शिक्षा - ईमानदारी से बढ़कर कोई चीज नहीं।

गतिविधि

चित्र देखकर रंग भरिए

शब्दार्थ

1. एकाएक- अचानक
2. लकड़हारा-लकड़ी काटने वाला
3. प्रसन्न-खुश
4. पुरस्कार- इनाम

सही उत्तर चुनें

1. लकड़हारे से गलती से नदी में क्या गिर गया था?

क) सोने की थैली
ख) लोहे की कुल्हाड़ी
ग) चाँदी का सिक्का

2. लकड़हारे की मदद करने के लिए नदी से कौन प्रकट हुआ?

क) मछली
ख) जल देवता
ग) व्यापारी

3. लकड़हारे ने सोने की कुल्हाड़ी लेने से मना क्यों कर दिया?

क) कुल्हाड़ी बहुत भारी थी।
ख) कुल्हाड़ी लकड़हारे की नहीं थी।
ग) लकड़हारे को सोना पसंद नहीं था।

खाली जगह भरिए

1. लकड़हारा _____ में जीवन बिता रहा था, लेकिन उसने कभी शिकायत नहीं की।
2. जल देवता ने लकड़हारे को उसकी सच्चाई के लिए _____ दिया।
3. एक साधारण _____ की कुल्हाड़ी ही लकड़हारे का सबसे कीमती औज़ार था।
4. नदी से प्रकट होने वाले उस _____ जीव को देखकर लकड़हारा हैरान रह गया।

लकड़हारे को कुल्हाड़ी तक पहुंचाए

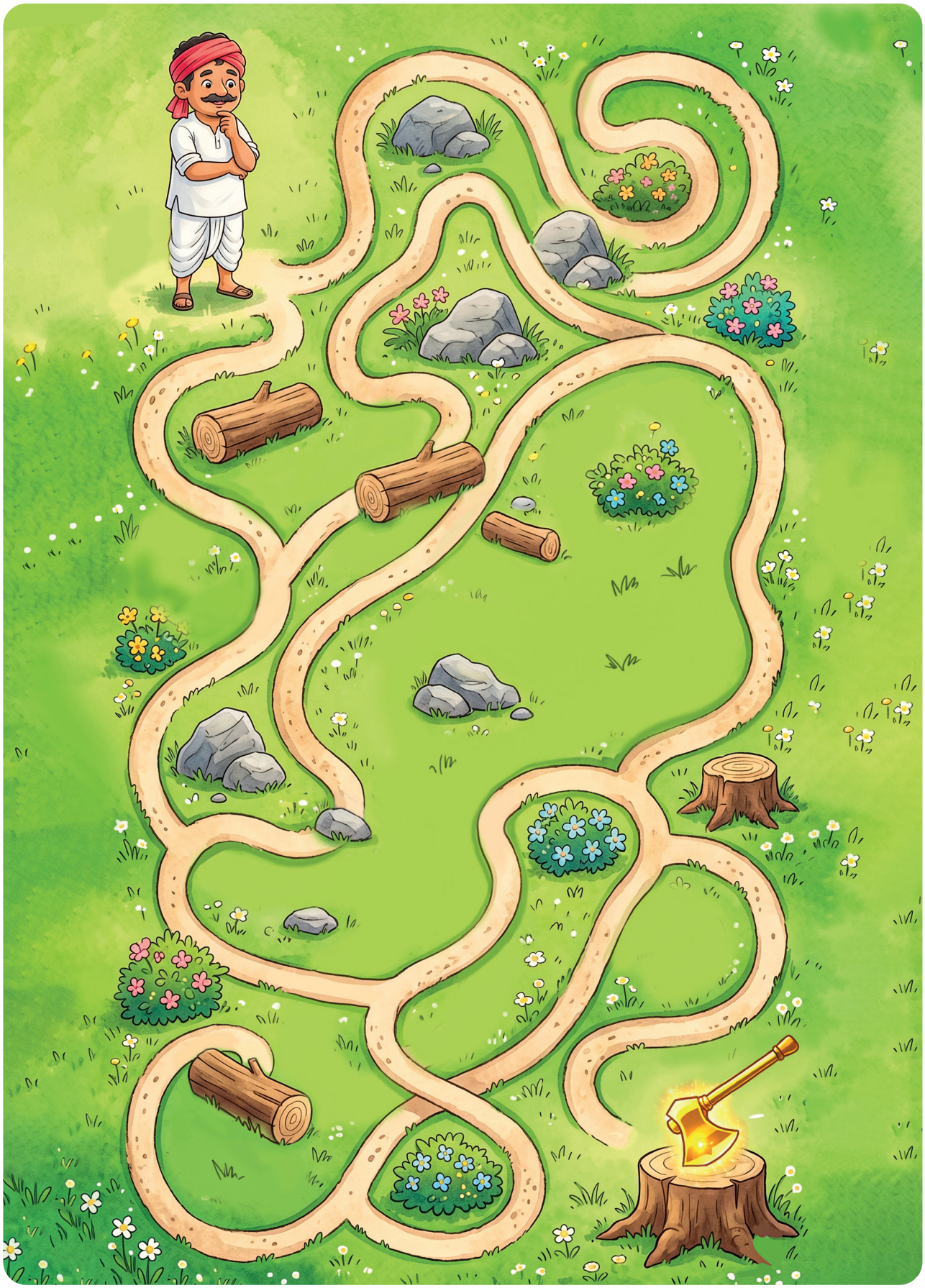

चित्र देखकर सही शब्द पर ✓ लगाइए

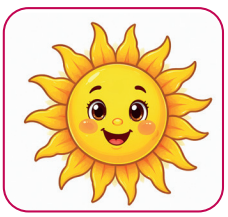

◯ सरजू ◯ सूरज ◯ सूरजु

◯ फल ◯ फलु ◯ फूल

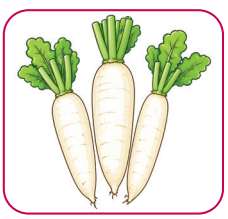

◯ मूली ◯ मूलि ◯ मली

◯ चुढी ◯ चूड़ी ◯ चुडी

सही वर्ण चुनकर शब्द पूरा कीजिए

1. _____ला (जू / झू)

2. _____ल (दू / धू)

3. चू_____ (ढी / डी)

4. _____ फान (तू / थू)

नीचे दी गई कविता को ध्यान से पढ़कर, खाली स्थान भरिए।

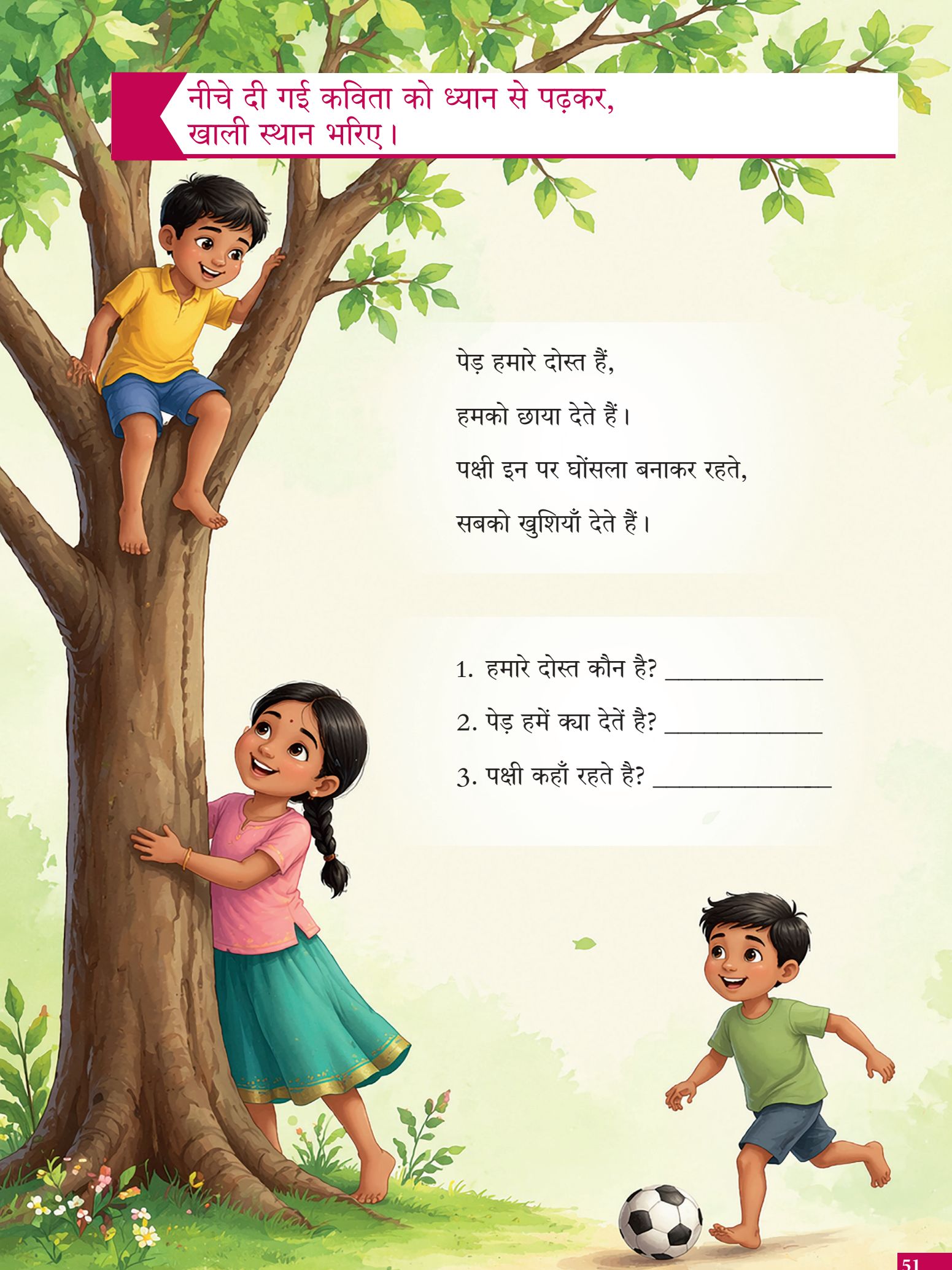

पेड़ हमारे दोस्त हैं,

हमको छाया देते हैं।

पक्षी इन पर घोंसला बनाकर रहते,

सबको खुशियाँ देते हैं।

1. हमारे दोस्त कौन है? _____

2. पेड़ हमें क्या देतें है? _____

3. पक्षी कहाँ रहते है? _____

चित्र देखकर खाली स्थान भरिए ।

अ ● र ●

ब ● ग ●

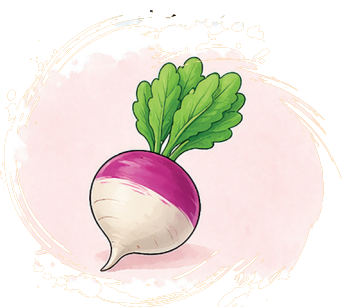

श ● ग ●

श ● रं ●

श ● ब ●

स ● ग ●

क ● र ●

म ● म ●

दिए गए चित्र देखकर सही शब्द पर गोला लगाइए

टमटम, चमचम, दमकल

बरगद, हलचल, अचकन

कसरत, सरकस, थरमस

शलगम, हरदम, जलचर

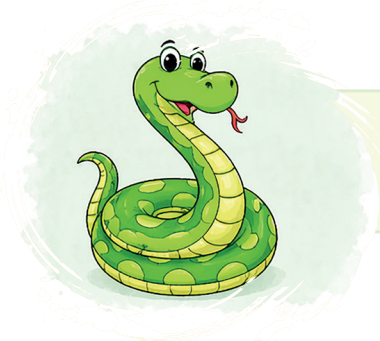

खटमल, अजगर, नटखट

कटहल, शरबत, पचपन

बरगद, मलमल, चमचम

हलधर अदरक, अचकन

मिलान कीजिए

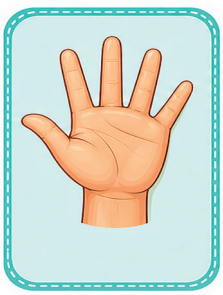

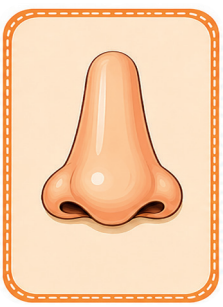

पान

बाल

हाथ

नाक

कान

चित्रों को देखकर दिए गए स्थान पर सही शब्द लिखकर कहानी को पूरा कीजिए।

(दादाजी, पौधों, गुलाब, बहन, दादीजी, बगीचे, पानी)

पिछले रविवार को मैंने अपने_____ साथ हमारे बगीचे

में काम किया। हमने_____ कुछ नए पौधे लगाए। मैंने

_____को _____ में दादाजी की मदद की।

मैंने एक_____ का पौधा भी लगाया। मेरी _____

को गुलाब का फूल बहुत पसंद हैं। मैं और मेरी_____

अब, पौधों के बड़े होने का इंतज़ार करेंगे।

चित्रों के नाम वर्ग पहेली में खोजकर गोला लगाइए

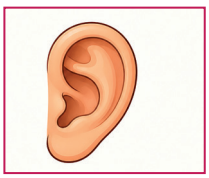

ता	ला	म	गा
बा	छा	ता	ज
जा	हा	स	र
क	थ	का	न

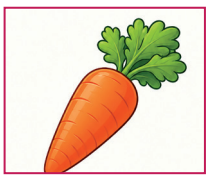

अक्षरों को जोड़कर नए शब्द बनाइए

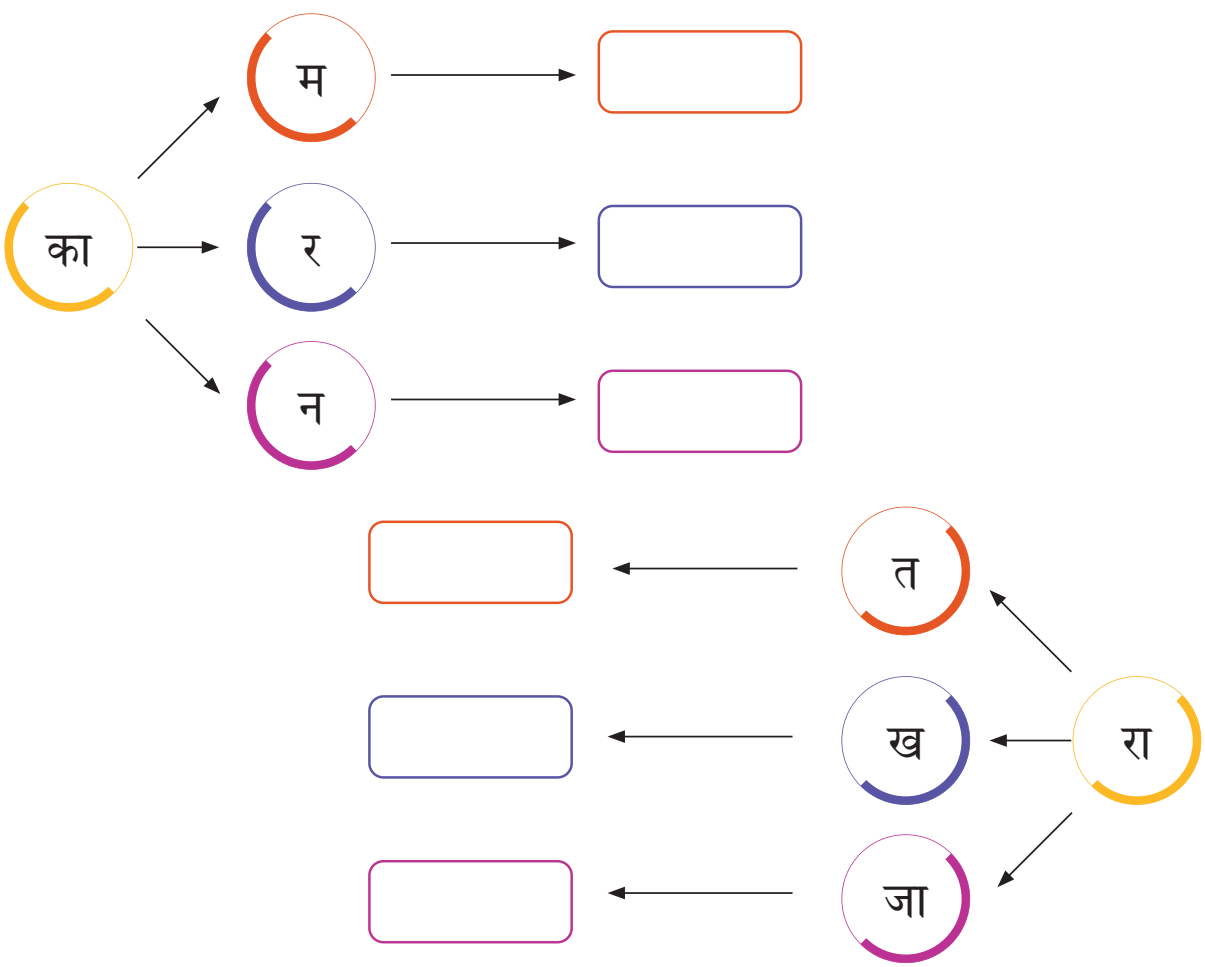

दिए गए शब्दों के वर्णों को अलग-अलग करके लिखिए।

कब = _____ + _____

जल = _____ + _____

खत = _____ + _____

महक = _____ + _____ + _____

जहर = _____ + _____ + _____

सरल = _____ + _____ + _____

अजगर = _____ + _____ + _____ + _____

कटहल = _____ + _____ + _____ + _____

चित्र देखकर वाक्य पूरा कीजिए

यह एक _____ है।

यह एक _____ है।

यह एक _____ है।

यह एक _____ है।

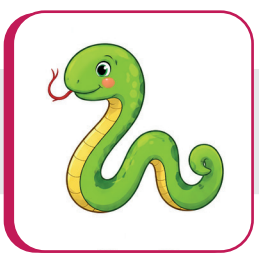

यह एक _____ है।

यह एक _____ है।

शेर की पार्टी

नीचे दिए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
जंगल में शेर ने पार्टी रखी। सभी जानवर आए। बंदर ने डांस किया, हाथी ने पानी छिड़का, और तोते ने गाना गाया। शेर ने सबको धन्यवाद दिया।

1. शेर ने क्या रखा?
   मीटिंग
   पार्टी
   खेल
   उत्तर: _____

2. बंदर ने क्या किया?
   गाना गाया
   पानी छिड़का
   डांस किया
   उत्तर: _____

3. हाथी ने क्या किया?
   पानी छिड़का
   गाना गाया
   डांस किया
   उत्तर: _____

4. तोते ने क्या किया?
   गाना गाया
   खेला
   उड़ गया
   उत्तर: _____

मेरे खिलौने

नीचे लिखी कविता को ध्यान से पढ़कर खाली स्थान भरिए।

ट्रेन मेरी छुक-छुक करती,
गुड़िया मीठी बातें करती।
टेडी मेरा खिलौना प्यारा,
इन सब का मैं दोस्त न्यारा।

प्रश्नः

(क) ट्रेन मेरी_____करती।

(ख) गुड़िया मीठी_____करती।

(ग) _____मेरा सबसे प्यारा।

(घ) इन सब का मैं दोस्त_____।

Standard 3 - Hindi Reader - Term - I

Textbook Development Team

Subject Expert

Dr. T. Swapna
Associate Professor,
Department of Hindi & Head,
Bharathi women's college, Broadway,
Chennai -600108.

Reviewer

Dr. Manoj Kumar singh
Assistant Professor & Head,
Department of Hindi,
D.G. Vaishnav College,
Arumbakkam, Chennai -600 106.

Co-ordinator

Dr.T.Jayagandhi
Senior Lecturer,
SCERT, Chennai - 600 006.

Authors

Saimeera Joshi
Guest Faculty (Hindi),
Women's Christian College,
College Road, Chennai -600 006.

M.Gabriel Govindaraju
Lecturer in Hindi (Retd.),
Navalar Nedunchezhian Govt. Hr.Sec.School,
Lawspet, Puducherry -605 008.

O.V.S. Mallika
P.G Hindi Teacher (Retd.),
Kesari Higher Secondary School,
Mylapore, Chennai -600 004.

Latha S Misra
Hindi Pandit,
Shree K.S.S.D. Girls HSS,
Sowcarpet, Chennai-600 079.

R. Saritha
Hindi Pandit,
S.M.B. Jain Higher Secondary School,
T. Nagar, Chennai-600 017.

Art and Design Team

M. Amalraj,
Layout Co-ordinator,
B.T. Asst., SCERT,
Chennai -600 006.

Makenthirap Pratheep, Designer

Illustration

R. Rajesh

Wrapper Design

Kathir Arumugam

This book has been printed on 80 GSM
Elegant Maplitho paper

Printed by offset at: